Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 114 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 05 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना से भारत की अन्य देश पर कम होगी निर्भरता : पीएम



नई दिल्ली। कैबिनेट की ओर से 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' को मंजूरी देने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे भारत की अन्य देशों पर निर्भरता कम होगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि लिथियम, निकेल, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज ईवी, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी हैं। फिर भी, हम रिफाइन की गई सामग्रियों के आयात पर काफी हद तक निर्भर हैं। मौजूदा स्थिति को समाप्त करने के लिए कैबिनेट ने इस स्कीम को मंजूरी दी है। पोस्ट में आगे कहा कि इस योजना की खासियत नए महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण संयंत्र, निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता, घरेलू स्तर पर अधिक मूल्य संवर्धन और मजबूत सप्लाई चेन है।अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सिद्धांत स्पष्ट है। भारत के पास भविष्य की तकनीकें विकसित करने की क्षमता होनी चाहिए!

कैबिनेट ने पांच वर्षों की अवधि के लिए 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' को मंजूरी दी है। इस योजना के लिए 2,814 करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय निर्धारित किया गया है। कैबिनेट के मुताबिक, 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत व्यय सहायता योजना' का उद्देश्य देश में प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना और उन्हें परिचालन में लाने के लिए लक्षित पूंजीगत व्यय सहायता प्रदान करना है। यह योजना भारत में घरेलू प्रसंस्करण क्षमताओं का विकास करने, देश के भीतर मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर केंद्रित है।

इस योजना के अंतर्गत लिथियम और निकिल के अयस्कों और मध्यवर्ती उत्पादों को उच्च शुद्धता वाले यौगिकों में प्रसंस्कृत करने का लक्ष्य रखा गया है। निकिल के उत्पादन के दौरान उप-उत्पाद के रूप में कोबाल्ट प्राप्त होने की उम्मीद है। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिकी, रक्षा, विशेष इस्पात आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को मदद मिलेगी।

'दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत'



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण अयोग्य ठहराया गया था। बेंच ने 2003 के उस फैसले पर दोबारा विचार के लिए मामला बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें दो बच्चों की शर्त को सही ठहराया गया था।

लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा कांग्रेस और इंडी गठबंधन की दोहरी राजनीति से : मुख्यमंत्री

■ **लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र बचाने की बात कर रही है, इससे बड़ा राजनीतिक विरोधाभास क्या होगा : मुख्यमंत्री साय**



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा राजनीतिक प्रहार करते हुए कहा है कि देश के लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा उन लोगों से है, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए बार-बार लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा, विपक्षी नेताओं को जेलों में डाला और मीडिया की स्वतंत्रता छीन ली, आज वही कांग्रेस लोकतंत्र बचाने की बात कर रही है। यह अपने आप में बेहद हास्यास्पद और कांग्रेस की दोहरी राजनीति का परिचायक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज जशपुर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल होने के लिए रवाना होने से पूर्व पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस का इतिहास लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनादेश के प्रति उसके वास्तविक रवैये को उजागर करता है। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के गैर-कांग्रेसी नेताओं को जेलों में डालने और प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने का काम किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने कई अवसरों पर संविधान के अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग कर जनता द्वारा चुनी गई गैर-कांग्रेसी सरकारों को बर्खास्त किया। आज उसी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा लोकतंत्र की दुहाई देना राजनीतिक अवसरवादिता की पराकाष्ठा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता अपनी चुनावी पराजय को स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं। कभी वोट चोरी का आरोप लगाते हैं, कभी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं और कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) तथा निर्वाचन आयोग को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास करते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि जब चुनाव परिणाम उनके पक्ष में आते हैं, तब उन्हें उसी ईवीएम और उसी निर्वाचन आयोग पर पूरा भरोसा होता है, लेकिन जब जनता उन्हें नकार देती है, तो वे अपनी हार का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ने लगते हैं।

केंद्रीय मंत्रीमंडल ने ऊर्जा भंडारण क्षमता के लिए 14,500 करोड़ रुपये की योजना को दी मंजूरी

■ **देशभर में 92 गीगावाट-घंटे की नई ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी**



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में ग्रिड-स्केल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के विकास के लिए 14,500 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना को मंजूरी दी है। वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली इस योजना के तहत देशभर में 92 गीगावाट-घंटे की नई ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य देश में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को बढ़ावा देना, बिजली ग्रिड की स्थिरता मजबूत करना और चौबीसों घंटे भरोसेमंद एवं किफायती बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इसके तहत वर्तमान ग्रिड-स्केल ऊर्जा भंडारण क्षमता के मुकाबले 170 प्रतिशत नई क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी। साथ ही, वर्ष 2031-32 तक देश की 411 गीगावाट की आवश्यक ऊर्जा भंडारण क्षमता हासिल करने में सहायता मिलेगी।

महादेव बेटिंग ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल दुबई में गिरफ्तार



नई दिल्ली। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में भारतीय एजेंसियों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। इस सट्टेबाजी ऐप के को-फाउंडर और प्रमुख आरोपी रवि उप्पल को दुबई में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गिरफ्तारी सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाए जाने के कुछ दिन बाद हुई है। हालांकि, भारतीय एजेंसियों को फिलहाल उप्पल की गिरफ्तारी की जानकारी अनौपचारिक माध्यमों से मिली है। संयुक्त अरब अमीरात की ओर से भारत को अभी तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है।

विराट-गिल की साझेदारी ने रखी जीत की नींव, भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया



आकलैंड। ईडन पार्क में खेले गए पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत की जीत में अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाजी और विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी की अहम भूमिका रही। बारिश के कारण मैच दो बार बाधित हुआ। इसके बाद डीएलएस नियम के तहत भारत को 32 ओवर में 143 रन का संशोधित लक्ष्य मिला, जिसे टीम ने 22.4 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 186 रन के शुरुआती लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को पहला झटका रोहित शर्मा के रूप में लगा। रोहित 1 रन के कुल स्कोर पर बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी को संभाला और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शुभमन गिल और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों की पारी से ऐसा लग रहा था कि भारत आसानी से 9 विकेट से जीत हासिल कर लेगा, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही भारतीय टीम ने लगातार विकेट गंवाए।

अग्निवीर अब 4 नहीं, 6 साल नौकरी करेंगे



■ **3.18 लाख अग्निवीरों का कार्यकाल 2 साल बढ़ा**

नई दिल्ली। अग्निवीर अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75 प्रतिशत अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी। अभी हर बैच के 25 प्रतिशत अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75 प्रतिशत को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25 प्रतिशत अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा। बाकी 75 प्रतिशत को उनकी सहमति से दो साल और नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस दौरान उन्हें बढ़ी हुई सैलरी और भत्ते भी मिलेंगे। छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। फिलहाल तीनों सेनाओं में करीब 3.18 लाख अग्निवीर सेवा दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक पहले बैच के करीब 18,300 अग्निवीरों का चार साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। ये पहले बैच में भर्ती हुए 24,400 अग्निवीरों का करीब 75 प्रतिशत हैं। पहले तय योजना के मुताबिक नवंबर के मध्य से 75 प्रतिशत अग्निवीरों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से बाहर किया जाना था।

भगवंत मान पर राहुल गांधी के बयान से भड़की आप

■ **सौरभ भारद्वाज ने पूछा- सीएम योगी पर ऐसी बात क्यों नहीं कही?**



नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा की गई शराब की टिप्पणी के बाद आम आदमी पार्टी भड़क गई है। आप के नेता सौरभ भारद्वाज ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए पूछा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन कांग्रेस को सिर्फ पंजाब की चिंता क्यों है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ या उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर ऐसी टिप्पणी क्यों नहीं की।

राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राहुल गांधी पर भी कई तरह के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन केवल आरोप लगाने से कुछ साबित नहीं होता। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे बड़े नेता को इतनी छोटी बातें नहीं कहनी चाहिए थीं। सौरभ ने सवाल किया कि देश के सबसे बड़े चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश में भी चुनाव होने हैं, लेकिन राहुल गांधी वहां जाकर योगी आदित्यनाथ के खिलाफ ऐसी बातें क्यों नहीं करते।

इससे पहले पंजाब के संगरूर में कांग्रेस की इंसाफ रैली को में राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि जब वे लोकसभा में भगवंत मान के साथ बैठते थे, तब मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे तक ही शराब के नशे में नजर आने लगते थे। उनकी सांसों से शराब की महक आती थी। राहुल ने कहा कि शराब पीना किसी का निजी मामला हो सकता है।



एनआईटी के 17वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

■ **केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ 7 'सेंटर्स ऑफएक्सीलेंस' का किया शुभारंभ**



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के 17वें दीक्षांत समारोह एवं सात नव-स्थापित 'सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस' के भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बी.टेक, बी.आर्क, एम.टेक, एम.एससी, एमसीए और पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उवल एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

केंद्रीय मंत्री ने पूरी की मांग

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विशेष आग्रह को स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री ने एनआईटी रायपुर में 'क्रिटिकल मिनरल्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्वीकृति दी। उन्होंने बताया कि एनआईटी में शुरू हो रहे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), क्रिटिकल मिनरल्स और कंप्यूटेशनल मैकेनिज्म सहित सभी सात उत्कृष्टता केंद्र देश के तकनीकी परिदृश्य को नई गति देंगे। भारत को महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और आयात पर निर्भरता घटाने में यह संस्थान अग्रणी भूमिका निभाएगा।

संस्थान से जुड़ी पुरानी यादें कीं साझा

अपने संबोधन में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एनआईटी के साथ जुड़े अपने पुराने दिनों को भावुकता से याद किया। उन्होंने कहा, जब यह केवल एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था, तब छात्र राजनीति और आंदोलनों के दौरान हमने यहाँ के हॉस्टलों में महीनों रहकर दिन-रात बिताए हैं। यह देश का पहला ऐसा इंजीनियरिंग कॉलेज रहा है जिसने खनन (माइनिंग) और मेटलर्जी की शुरुआत की। उन्होंने उस दौर के कम खर्च और सादगी भरे दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि यहाँ से निकले छात्र आज देश और दुनिया के बड़े-बड़े संस्थानों में शीर्ष पदों पर नेतृत्व कर रहे हैं।

पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए सांसद ने कहा कि शोध केवल 200-500 रिसर्च पेपर्स की फाइलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका असली मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि उससे धरातल पर कितने लोगों के जीवन में सुधार और विकास हुआ।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, गुरूवार 05 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रोटरी एलिगेंस ने जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाई खुशियों वाली दिवाली



रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से एक सराहनीय सेवा प्रकल्प ÷खुशियों वाली दिवाली÷ आयोजित किया गया। इस प्रकल्प की चेयरपर्सन रोटेरियन श्वेता अग्रवाल रहीं, जिन्होंने क्लब सदस्यों के सहयोग से पुराने खिलौने, कपड़े एवं खाद्य सामग्री एकत्रित कर जरूरतमंद बच्चों के बीच वितरित की।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन प्रियंका गुप्ता ने कहा कि, ÷दीपावली खुशियां बांटने और दूसरों के जीवन में रोशनी लाने का त्योहार है। यदि हमारी छोटी-सी कोशिश से किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सके, तो इससे बड़ी खुशी और कोई नहीं हो सकती।

क्लब की सचिव रोटेरियन डॉ. स्वाति अग्रवाल ने कहा कि, ÷बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखकर मन को बेहद सुकून मिला। हमारा प्रयास था कि इन बच्चों की दिवाली भी थोड़ी और खास और खुशहाल बन सके। सच्ची दिवाली तभी है, जब हमारी खुशियों में दूसरों की खुशियां भी शामिल हों।प्रकल्प की चेयरपर्सन रोटेरियन श्वेता अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उत्साहपूर्वक खिलौने, कपड़े एवं खाद्य सामग्री का सहयोग दिया। सभी के सामूहिक प्रयास से यह पहल सफल रही।इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि दिवाली की असली रोशनी दीपों से नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने से फैलती है।रोटरी एलिगेंस का यह प्रयास सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को साकार करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36766/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36766
वार्ड का नाम-47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443D00082** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PARAS RAM KUKREJA** पिता/पति श्री/श्रीमती **RAVMAYANK KUKREJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJESH KUKREJA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. PARAS RAM KUKREJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36771/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36771
वार्ड का नाम-47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443E00237** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMLESH YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE BODHI RAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. DUJ YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O KAMLESH KUMAR YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./36777/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8062
वार्ड का नाम-36 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717C0329B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANITA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती राखी जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री राजेश कुमार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36720/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36720
वार्ड का नाम-7- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226C00599** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARMINDAR SINGH DATTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. HARBHAJAN SINGH DATTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **डॉ. सुष्मिता घोष** पिता/पति, श्री/श्रीमती **गुरू चरण सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36559/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36559
वार्ड का नाम-7- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226B0141A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DWADASI VENKATA SIDDHARTH RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D. V. DEVENDRA MANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **पूनम दुबे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ओम प्रकाश दुबे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36704/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36704
वार्ड का नाम-7- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226C00222** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAIRAM DAS SHERWANI S/O LATE ISWARMAL SHERWANI, AMIT SHERWANI S/O JAIRAM DAS SHERWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VICKY JIVANANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PURASHOTAM JIVANANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36650/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 28-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36650
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E1235A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AJAY KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE M.L. SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **जुगल किशोर साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सुखराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36561/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36561
वार्ड का नाम-7- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226B00141** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **D. BHAWANI RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D. V. DEVENDRA MANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **पूनम दुबे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ओम प्रकाश दुबे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36560/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36560
वार्ड का नाम-7- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E01783** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DUSI SURYA PRAKASH , SHALINI DUSI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D. V. S. KUMAR , DUSI SURYA PRAKASH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **पूनम शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सुधीर कुमार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36514/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36514
वार्ड का नाम-7- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E0294O** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHAKUNTALA DEVI HARSHWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAVINDRA PRASAD HARSHWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **गिरजा बाई** पिता/पति, श्री/श्रीमती **बलदाऊ** ने मृत्यु प्रमाण पत्, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./36714/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 04-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36714
वार्ड का नाम- 66- वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664D00199** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KHEDI BAI PATWA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TANURAM PATWA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. PURNIMA PATWA 2.ROSHNI PATWA 3.SIMRA PATWA 4.SHUBHAM PATWA 5.PUSHPA PATWA 6.SHUMAN PATWA 7.SUMEET PATWA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **(1-4) RAMAVTAR PATWA (5-7) MANOJ PATWA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **B1 KI COPY** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./36473/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 27-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36473
वार्ड का नाम- 66- वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664B00014** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SATRUPA SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTOSH SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SANTOSH KUMAR SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./36784/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 04-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36784
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **35** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR436L00113** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DEVANDRA KUMAR PATHAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BADRI PRASAD PATHAK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मयूर रमेश हरचंदानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री रमेश हरचंदानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36671/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36671
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226M00540** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJ KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARI PRASAD AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAHUL AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJ KUMAR AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36642/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 28-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36642
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226J00185** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PARVATI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MR. BHUPENDRA KUMAR VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अनिता अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहन मूर्ति अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36568/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 28-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36568
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226K0129A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDHANSH AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE S.S. AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **उमेश कुमार वर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. बैद्यनाथ वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /36566/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 28-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36566
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226I01062** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURESH CHABDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAKASH CHAND CHABDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PADMA JANGDE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARVIND JANGDE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, गुरूवार 05 नवंबर 2026

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल विश्रामपुर में विषयगत भव्य शैक्षणिक प्रदर्शनी का आयोजन

गोपाल सिंह विद्रोही





सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल विश्रामपुर में विद्यालय प्राचार्य अनामिका भारती के मार्ग दर्शन में आज भव्य शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, तार्किक चिंतन, नवाचार एवं व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें अपने अर्जित ज्ञान को प्रयोगों, गतिविधियों एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, खोजपरक प्रवृत्ति, समस्या समाधान की क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास होगा

. आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार सिंह , विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक एस.ई.सी.एल.विश्रामपुर सहित अन्य अतिथियो में एस एस रात्रे एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर विश्रामपुर , राबिन खलखो एस ओ सिविल, मुकेश बैरवा एरिया फाइनेंस मैनेजर एवं गणमान्य अतिथियों का विद्यालय श्रीमती अनामिका भारती एवं वरिष्ठ अध्यापकों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर आशीष भट्टाचार्य , प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह के कर कमलों से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में जीव विज्ञान, भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, वाणिज्य, कंप्यूटर साइंस, ए आई, ड्राइंग आदि विषयों से संबंधित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक वर्किंग व स्टैटिक मॉडलों ,चार्ट, परियोजना कार्य, नवाचारी गतिविधियाँ प्रदर्शित की गई। जिसमें विद्यालय के कक्षा तीसरी से बारहवीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी पूरी लगन व कड़ी मेहनत से मॉडलों, प्रोजेक्ट, नवाचारी गतिविधियां आदि को साकार रूप दिया। डी ए वी विश्रामपुर के विद्यार्थियों के साथ - साथ विविध विद्यालयों शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर, आत्मानंद स्कूल विश्रामपुर, राजकुमार पब्लिक स्कूल विश्रामपुर के विद्यार्थियों व अध्यापक - अध्यापिकाओं एवं गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी को देखकर बच्चों के सार्थक प्रयासों एवं क्रियात्मकता की खूब सराहना की। यह प्रदर्शनी सभी आगंतुकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं आकर्षण का केंद्र रही।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के अथक प्रयास एवं सृजनात्मक प्रतिभा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार का आयोजन विद्यार्थियों को विज्ञान के साथ- साथ विविध विषयों को समझने में सहायक सिद्ध होगी और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलेगी। इससे प्रेरित होकर विद्यार्थी अपने जीवन को नई दिशा प्रदान कर पाएंगे। उन्होंने समस्त विद्यार्थियों के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। विद्यालय प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रस्तुति की भूरि - भूरि प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ सृजनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और जीवनोपयोगी कौशल विकसित करना है। ऐसी विषयगत प्रदर्शनियाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने, नए विचारों को साकार करने तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने आमंत्रित सभी सम्माननीय अतिथियों एवं समस्त विद्यालय परिवार के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित की।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती अर्पणा मिश्रा ने किया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम के समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षक डी के तिवारी, छात्र- छात्राओं, अध्यापक -अध्यापिकाओं सहित समस्त विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

एसीसी जामुल में अदाणी फाउंडेशन ने परिवारों के लिए जल सुरक्षा बहाल की

जामुल: एसीसी , भारत की अग्रणी सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनियों में से एक और विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो के साथ मिलकर जामुल, छत्तीसगढ़ में स्थानीय जल सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का समाधान कर आवश्यक सामुदायिक बुनियादी ढांचे तक पहुंच को मजबूत कर रही है। वर्षों से जामुल नगर निगम के वार्ड नंबर 8 स्थित एसीसी लेबर कॉलोनी के निवासी पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे थे। हर गर्मी में इलाके का बोरवेल सूख जाता था, जिससे परिवारों को अपनी दैनिक घरेलू जरूरतों के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था या दूरस्थ स्थानों से पानी लाना पड़ता था। इस समस्या का विशेष रूप से महिलाओं और बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव पड़ता था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अदाणी फाउंडेशन ने बंद पड़े बोरवेल को पुनः चालू किया और एक सबमर्सिबल पंप स्थापित किया, जिससे अनुपयोगी जल स्रोत को समुदाय के लिए पेयजल के एक विश्वसनीय स्रोत में बदल दिया गया। इस पहल से अब वार्ड 8, 10 और 13 के लगभग 50 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। विशेष रूप से गर्मियों के महीनों में, जब पानी की कमी सबसे गंभीर हो जाती है, परिवारों को सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे निवासियों की टैंकरों और दूरस्थ जल स्रोतों पर निर्भरता कम हुई है और उनके दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है। यह पहल स्थानीय जरूरतों के अनुरूप टिकाऊ बुनियादी ढांचा समाधान विकसित कर सामुदायिक कल्याण में ठोस सुधार लाने की एसीसी और अदाणी फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वी ने लॉन्च किया वी इंटेलिजेंस – एजेंटिक एंटरप्राइजेज़ के भविष्य को आकार देने वाली एक एआई पहल

भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, वी ने आज वी इंटेलिजेंस लॉन्च करने की घोषणा की। यह कंपनी की एक रणनीतिक एआई पहल है, जिसका उद्देश्य वी के अपने चालन के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों के ग्राहकों और उद्यमों में एआई आधारित बदलाव लाना है। इसका लक्ष्य अगली पीढ़ी के एआई की क्षमाओं का उपयोग कर एंटरप्राइज इंटेलिजेंस के भविष्य को नया आयाम देना है।

इस पहल के केंद्र में है वी इंटेलिजेंस लैब,, जिसे पीडब्ल्यूसी इंडिया के साथ साझेदारी में बनाया गया है। यह एंटरप्राइज एआई समाधानों को विकसित करने, उन्हें इन्क्यूबेट करने (और बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए एक इनोवेशन इंजनश्के रूप में काम करेगा। यह वी के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसफॉर्मेशन में पीडब्ल्यूसी इंडिया की विशेषज्ञता को एक साथ लाकर ऐसा ग्लोबल इनोवेशन गेटवे बनेगा, जो दुनिया के प्रमुख एआई लीडर्स, स्टार्टअप्स, रिसर्च इकोसिस्टम और उद्यमों को आपस में जोड़ सके, और एआई के जरिए वास्तविक दुनिया की व्यवसायिक चुनौतियों का समाधान किया जा सके। पीडब्ल्यूसी इंडिया वी के सहयोग से मुंबई में एक निर्धारित सेंटर ऑफएक्सीलेंस टीम भी बनाएगा।

एंजेलवन ने दिवाली के लिए चुने गए आठ शेयरों में एजीआई इंफ्रा और रत्नावीर प्रिसिजन को शामिल किया है; घरेलू निवेश ने एफपीआई की निकासी की भरपाई की

मुंबई। ब्रोकरेज फर्म एंजेल वन ने अपनी वार्षिक दिवाली निवेश सूची में विभिन्न क्षेत्रों के आठ शेयरों को शामिल किया है। इनमें एजीआई इंफ्रा, रत्नवीर प्रिसिजन और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स प्रमुख हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि भारत की विकास कहानी मजबूत बनी हुई है, हालांकि इसके साथ महंगाई का दबाव भी बढ़ रहा है।

एंजेल वन की शगुन के शेयर्स दिवाली पिक्स रिपोर्ट 2026 में एजीआई इंफ्रा , रत्नवीर प्रिसिजन , नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, इंजीनियर्स इंडिया, आरती फार्मा लैब्स, शांति गोल्ड, आईसीआईसीआई बैंक और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को शामिल किया गया है। ये शेयर बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, औद्योगिक क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवाओं, उपभोक्ता क्षेत्र, रियल एस्टेट और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

30 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक इस सूची का सबसे बड़ा शेयर था, जिसकी कीमत 1,398 रुपये और बाजार पूंजीकरण 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स 397.15 रुपये, रत्नवीर प्रिसिजन 359 रुपये और आरती फार्मा लैब्स 873 रुपये पर था। शांति गोल्ड, नॉर्दर्न आर्क कैपिटल और इंजीनियर्स इंडिया के शेयर क्रमशः 292.90 रुपये, 251.80 रुपये और 251.80 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। एजीआई इंफ्रा का भाव 238.70 रुपये था। ब्रोकरेज प्रत्येक शेयर के चयन के पीछे निवेश संबंधी तर्क 7 नवंबर तक दैनिक श्रृंखला में प्रकाशित करेगा। यह निवेश सूची ऐसे समय आई है, जब भारतीय बाजार में घरेलू और वैश्विक परिस्थितियां मिश्रित संकेत दे रही हैं।

दीपा सागर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक से मिले जिला कांग्रेस पदाधिकारी,सौंपा ज्ञापन ...



पीड़ित परिवार की शंकाओं और आशंकाओं को ध्यान में रखकर हो मामले की निष्पक्ष जांच- मौर्य ...

जगदलपुर। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी ने आज दंतेश्वरी वार्ड निवासी दीपा सागर मामले में निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग को लेकर पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को रखते हुए पीड़ित परिवार की शंकाओं एवं आशंकाओं का निराकरण करने और उनकी संतुष्टि के अनुरूप जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

इस अवसर पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर के अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि दीपा सागर मामले में पीड़ित परिवार जिन परिस्थितियों और तथ्यों को लेकर सवाल उठा रहा है, उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। परिवार की शंकाओं को नजरअंदाज करने के बजाय प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की आशंका या संदेह की गुंजाइश न रहे। पुलिस प्रशासन से हमारी मांग है कि परिवार द्वारा उठाए गए सवालों और प्रस्तुत तथ्यों को जांच में शामिल किया जाए तथा मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कर वास्तविक सच्चाई सामने लाई जाए।सुशील मौर्य ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है हमारी मांग मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की है।

इस दौरान पूर्व विधायक रेखचंद जैन,पूर्व महापौर जतिन जायसवाल,पूर्व सभापति कविता साहू,उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना,गौरनाथ नाग, हेमू उपाध्याय,महामंत्री अभिषेक नायडू,जाहिद हुसैन,सुनीता सिंह सहित पीड़ित परिवारजन मौजूद रहे।

तूफान 'मुरासु' का असर: बस्तर संभाग में बेमौसम बारिश और ठंड बढ़ी, धान की फसलों पर मंडराया संकट



जगदलपुर। बंगाल की खाड़ी में एक बार फिर चक्रवाती हलचल तेज हो गई है। हाल ही में आए चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के शांत होने के तुरंत बाद, अब नया चक्रवाती तूफान 'मुरासु' तटीय इलाकों से टकराकर मैदानी और मध्य भारत के मौसम को प्रभावित कर रहा है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही के बाद इसका प्रभाव सीधे तौर पर पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर संभाग में देखने को मिल रहा है।

अक्टूबर के अंत में चक्रवात 'अर्नब' ने ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भारी तबाही मचाई थी। इसके तुरंत बाद बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में कम दबाव का क्षेत्र गहराया और भीषण चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया। मुरासु तूफान आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय इलाकों से 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार (झोंके 120 किमी/घंटा तक) वाली तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ टकराया। इस तूफान की वजह से तटीय राज्यों के साथ-साथ मध्य भारत (छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश) में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे होने के कारण छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग किसी भी समुद्री चक्रवात से सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

मौसम में बदलाव और बारिश का अलर्ट- मौसम विभाग ने 'मुरासु' तूफान के प्रभाव को देखते हुए छत्तीसगढ़ के बस्तर, रायपुर और दुर्ग संभाग के कई जिलों के लिए मेघगर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बादलों का डेरा और ठंडी हवाएं: बस्तर संभाग (जगदलपुर, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव) सहित दक्षिणी और मध्य छत्तीसगढ़ के आसमान में घने काले बादल छाए हुए हैं। नम और ठंडी हवाओं के चलने से दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में इस समय खरीफ धान की कटाई और मिसाई का काम चल रहा है। 'अर्नब' और अब 'मुरासु' के कारण हो रही बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से धान की पकी फसल खेत में बिछ जाने और भीगने का बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

वेदांता पावर ने राज्योत्सव में दिखाई ग्रामीण महिला उद्यमिता की झलक

सक्ती: वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट ने 2 नवंबर को जिला प्रशासन, सक्ती द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में भाग लिया। इस अवसर पर कंपनी ने महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण उद्यमिता और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर केंद्रित अपनी सामुदायिक विकास पहलों का प्रदर्शन किया। विशेष प्रदर्शनी के माध्यम से कंपनी ने 'प्रोजेक्ट सखी' के तहत तैयार उत्पादों और गतिविधियों को प्रस्तुत किया। वेदांत पावर की यह पहल दर्शाती है कि किस प्रकार कौशल विकास और आजीविका के अवसर ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और आय के स्थायी साधन विकसित करने में मदद कर रहे हैं। प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट सखी के तहत प्रशिक्षित ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की आकर्षक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इनमें भित्ति कला, जूट बैग, हाथ से रंगे दीये, प्राकृतिक सामग्री से बने साबुन और मोमबत्तियां शामिल थीं। इन उत्पादों के माध्यम से महिलाओं के हुनर, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में बस्तर की कला और पारंपरिक टैटू कला से प्रेरित विशेष प्रस्तुति के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाया गया। वहीं, मशरूम की खेती के प्रदर्शन के जरिए किसानों को इसकी तकनीक और अतिरिक्त आय के एक संभावित साधन के रूप में इसकी उपयोगिता से परिचित कराया गया। स्टॉल में वेदांता पावर के विद्युत संयंत्र का एक मॉडल भी प्रदर्शित किया गया, जिसके माध्यम से आगंतुकों को बिजली उत्पादन की प्रक्रिया और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में कोयला आधारित विद्युत उत्पादन की भूमिका को समझने का अवसर मिला। स्टॉल का उद्घाटन माननीय राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

बाढ़ पीड़ित किसानों को राहत देने में भाजपा सरकार नाकाम,किसानों को ?65 हजार प्रति एकड़ मुआवजा और KCC ऋण माफी की मांग को लेकर कांग्रेस का चक्काजाम विरोध प्रदर्शन ...

20 दिन बाद भी किसानों को राहत नहीं,सरकार की घोषणाएं अब सिर्फ कागजों तक सीमित, आमागुड़ा चौक पर कांग्रेस ने चक्काजाम कर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन ..

उचित मुआवजा देना छोड़ राहत के नाम पर ऊंट के मुंह में जीरा दे रही भाजपा सरकार- सुशील मौर्य ...



जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर संभाग में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित किसानों और आम नागरिकों को पर्याप्त मुआवजा एवं राहत प्रदान करने की मांग को लेकर आज संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य व ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला के नेतृत्व में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने आमागुड़ा चौक पर चक्काजाम कर भाजपा सरकार के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने किसानों को 65,000 प्रति एकड़ मुआवजा देने, बाढ़ प्रभावित किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) ऋण माफ करने तथा प्रभावित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन के पश्चात महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर शासन-प्रशासन से तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की गई।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि हाल ही में बस्तर संभाग, विशेषकर जगदलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बाढ़ के कारण किसानों की खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। खेतों में लगी फसल के साथ किसानों की महीनों की मेहनत, लागत और पूंजी भी पानी में बह गई। आज किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और उनके सामने अगली फसल की तैयारी करने के साथ-साथ बैंक ऋण चुकाने की भी बड़ी चुनौती खड़ी है।भाजपा सरकार की राहत नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि बाढ़ से हुए भारी नुकसान के बाद किसानों को ?3,000 प्रति एकड़ अथवा ?8,000 प्रति हेक्टेयर जैसी सीमित सहायता दिए जाने की बात कही जा रही है। वर्तमान समय में जुताई, बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में इतनी कम सहायता राशि से किसानों के नुकसान की भरपाई कैसे होगी? क्या सरकार को वास्तव में किसानों की आर्थिक स्थिति का अंदाजा है? बाढ़ में जिन किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो गई, उन्हें इतनी मामूली सहायता देकर किस तरह दोबारा खेती के लिए तैयार होने की उम्मीद की जा सकती है? विडंबना यह है कि जिन किसानों की फसल और आजीविका बाढ़ ने छीन ली, उनके सिर पर बैंक कर्ज का बोझ आज भी बना हुआ है। सरकार को किसानों की पीड़ा समझते हुए केवल औपचारिक सहायता की घोषणा करने के बजाय उनके चिष्ट ऋण माफ करने का निर्णय लेना चाहिए।बाढ़ प्रभावित किसानों एवं परिवारों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी ने पूर्व में 15 अक्टूबर 2026 को कलेक्टरेट तक मार्च कर ज्ञापन सौंपा था और शासन को 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया था। लेकिन लगभग 20 दिन बीत जाने के बाद भी शासन की ओर से न तो किसानों को पर्याप्त राहत देने की कोई ठोस घोषणा हुई और न ही उनकी प्रमुख मांगों पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई दे रही है। सरकार की इस उदासीनता के विरोध में कांग्रेस को सड़क पर उतरकर चक्का जाम करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कांग्रेस पार्टी की प्रमुख मांगें हैं- 1.किसानों को ?65,000 प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। बाढ़ से पूरी तरह बर्बाद हुई फसलों और किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए वास्तविक नुकसान के अनुरूप ?65,000 प्रति एकड़ की दर से मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि किसान आर्थिक संकट से उबरकर आगामी फसल की तैयारी कर सकें।

2.बाढ़ प्रभावित किसानों का चिष्ट ऋण माफ किया जाए। जिन किसानों की फसलें बाढ़ के कारण बर्बाद हुई हैं, उनके किसान क्रेडिट कार्ड (चिष्ट) ऋण को तत्काल माफ करने का निर्णय लिया जाए, ताकि किसानों पर कर्ज का अतिरिक्त बोझ न पड़े।

3.नुकसान का निष्पक्ष एवं पारदर्शी सर्वेक्षण कराया जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसलों, मकानों, मवेशियों, घरेलू सामानों और अन्य संपत्तियों को हुए नुकसान का निष्पक्ष सर्वे कराया जाए। कोई भी वास्तविक प्रभावित किसान या परिवार सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

4.राहत राशि वितरण की समयसीमा निर्धारित की जाए। सभी पात्र प्रभावित किसानों एवं परिवारों को मुआवजा और सहायता राशि उपलब्ध कराने के लिए निश्चित समयसीमा तय की जाए। भुगतान में देरी और लापरवाही के लिए प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

5.बाढ़ प्रभावित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाए। जिन परिवारों के मकान, घरेलू सामान और जीवनयापन के साधन बाढ़ में नष्ट हुए हैं, उन्हें वास्तविक नुकसान के अनुरूप आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे दोबारा सामान्य जीवन शुरू कर सकें।

...भाजपा सरकार किसानों के हितों की बात तो करती है, लेकिन जब बस्तर के किसान प्राकृतिक आपदा से तबाह हैं, तब उन्हें पर्याप्त मुआवजा देने और कर्ज से राहत दिलाने के लिए ठोस निर्णय का इंतजार करना पड़ रहा है। आखिर किसानों को राहत देने के लिए सरकार को और कितने ज्ञापन और आंदोलनों का इंतजार है? केवल घोषणाओं और आश्वासनों से किसानों के खेतों में दोबारा फसल नहीं लहलहाएगी। इसके लिए सरकार को आर्थिक मदद के रूप में वास्तविक राहत देनी होगी।जिला कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट किया कि बाढ़ प्रभावित किसानों और परिवारों को उनका अधिकार दिलाने की यह लड़ाई जारी रहेगी। सरकार को चाहिए कि वह राजनीतिक बयानबाजी और कागजी घोषणाओं से बाहर निकलकर जमीनी स्तर पर प्रभावितों की पीड़ा समझे और तत्काल मुआवजा वितरण एवं चिष्ट ऋण माफी पर निर्णय ले। किसानों को राहत देना सरकार की जिम्मेदारी है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 05 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

मनमानी के प्रतीक

स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन का विरोध करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कदम स्थिति को और अधिक बिगाड़ देते हैं। अत: सरकार को संवाद का रास्ता चुनना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में सियांग बांध का विरोध तेज होने के साथ ही सरकार ने युवा आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कम-से-कम 47 लोगों पर मुकदमे दायर किए गए हैं। 26 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें पांच नाबालिग बताए जाते हैं। केंद्र ने रैपिड एक्शन फोर्स की टुकड़ियां वहां भेजी हैं। अशांति की स्थिति में प्रशासनिक कार्रवाई के औचित्य से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन बेहतर यह होगा कि वहां के हालात को सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या ना मानी जाए। समझा जाता है कि सियांग परियोजना पर अमल में तेजी तिब्बत में चीन के बांध बनाने के निर्णय के मद्देनजर लाई गई है। चीन के बांध से संभावित चुनौती का मुकाबला करने की पूर्व-तैयारी अपने-आप में समस्याग्रस्त सोच नहीं है। लेकिन इस दौरान स्थानीय निवासियों की इस राय को अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सियांग नदी पारंपरिक रूप से उनकी जिंदगी का सहारा रही है। इसलिए उस नदी के बहाव या उसकी प्राकृतिक संचरना में कोई परिवर्तन करने से पहले लोगों की सहमति पाना जरूरी है। वरना, यह परियोजना ऐसे जन असंतोष का कारण बन सकती है, जो चीन से लगे उस सीमाई इलाके में एक स्थायी नासूर बन जाए। मणिपुर गुजरे साढ़े तीन साल से सुलग रहा है। ऐसे में उत्तर-पूर्व के एक और राज्य की आबादी में आक्रोश पैदा करने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता। यह समझने की बात है कि जब स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ दमनकारी कदमों का इस्तेमाल स्थिति को और अधिक बिगाड़ देता है। अत: सरकार को तुरंत सभी सख्त कदमों और जबरन फैसले थोपने की प्रवृत्ति पर विराम लगाते हुए व्यापक जन संवाद शुरू करना चाहिए। ग्राम सभाओं, बुद्धिजीवियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रभावित नागरिकों को इस प्रक्रिया में समान भागीदार बनाकर उनकी चिंताओं का पारदर्शी समाधान निकाला जाना चाहिए। उससे विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवाम की सहभागिता बनाई जा सकेगी। वरना, उस क्षेत्र के लोग सियांग डैम को सत्तातंत्र की मनमानी के प्रतीक रूप में देखते रहेंगे।

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि

धनतेरस पर सोने-चांदी से आगे बढ़कर स्वास्थ्य में निवेश करें

श्री प्रतापराव जाधव



शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसंपदा।

संस्कृत की प्रार्थना के ये परिचित शब्द हमारी परंपराओं में स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के गहरे संबंध को बड़ी सुंदरता से व्यक्त करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति से नहीं, बल्कि हमारे अपनों के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी मापी जाती है। हर वर्ष धनतेरस के आते ही हमारे घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। घरों की साफ-सफाई और सजावट होती है, बाजारों में उत्सव का उल्लास दिखाई देता है और लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में नई वस्तुएं खरीदते हैं। इन उत्सवों के बीच मेरे मन में अक्सर एक सरल-सा प्रश्न उठता है कि जब हम अपने परिवार के समृद्ध भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए इतनी तैयारियां करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य की रक्षा पर कितना ध्यान देते हैं? हम भविष्य के लिए बचत करते हैं, अपनी संपत्ति का बीमा कराते हैं और आर्थिक निवेश की योजनाएं बनाते हैं। लेकिन जिन आदतों पर हमारे आने वाले वर्षों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, उन पर अक्सर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। समय पर भोजन न करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है, पर्याप्त नींद न लेना व्यस्त जीवन की पहचान समझी जाने लगती है और स्वास्थ्य जांच तब तक टाल दी जाती है, जब तक कोई परेशानी गंभीर रूप नहीं ले लेती। धनतेरस हमें अपनी इन प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करने का अवसर देता है। धनतेरस का आयुर्वेद के साथ विशेष संबंध है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य से जुड़ा है, जिन्हें देवताओं के वैद्य और आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक के रूप में पूजा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर उनका प्रकट होना स्वास्थ्य और दीर्घायु की मानवता की चिरकालिक आकांक्षा का प्रतीक है। यही संबंध धनतेरस को सोने, चांदी या घरेलू वस्तुओं की खरीदारी से कहीं अधिक व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह हमें याद दिलाता है कि समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे पास उसे अनुभव करने और अपने प्रियजनों के साथ साझा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य हो। आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दोनों मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाते हुए मैं अपने दैनिक जीवन में इस संदेश के महत्व को भली-भांति समझता हूं। स्वास्थ्य को लेकर हमारी बातचीत अक्सर तब शुरू होती है, जब बीमारी हमारे जीवन में दस्तक दे चुकी होती है। हम अस्पतालों, दवाओं और उपचार की चर्चा करते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक हैं। लेकिन एक उतनी ही महत्वपूर्ण बातचीत इससे बहुत पहले शुरू होनी चाहिए, हमारे घरों, रसोईघरों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की दिनचर्या में। क्या हम उपचार को जितना महत्व देते हैं, उतना ही महत्व बीमारियों की रोकथाम को भी दे सकते हैं? यही प्रश्न आयुर्वेद की स्वास्थ्य संबंधी सोच के मूल में है। आयुर्वेद का सिद्धांत 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्', अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना, आज की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें बताता है कि हमारा स्वास्थ्य इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खाते हैं, कितनी नींद लेते हैं, कितने शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और अपनी देखभाल कितनी नियमितता से करते हैं। आज जब गैर-संचारी रोग, निष्क्रिय जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आ रहे हैं, तब निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है। उदाहरण के लिए, परिवार के साथ किया जाने वाला एक साधारण भोजन भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर हो सकता है। इसके माध्यम से हम बच्चों में पौष्टिक भोजन की आदत विकसित कर सकते हैं और परिवार के बुजुर्गों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं। इसी प्रकार प्रतिदिन टहलना, नियमित योगाभ्यास करना या सोने और जागने का समय निश्चित रखना भले ही छोटे प्रयास लगें, लेकिन लंबे समय तक इनका पालन करने से स्वास्थ्य में सार्थक बदलाव आ सकता है। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक शक्ति अक्सर ऐसे ही सरल और रोजमर्रा के निर्णयों में निहित होती है। भारत की आयुष चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण और समग्र कल्याण की इस संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता मानकों और प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि भारत का पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से योगदान दे सके। हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब विकसित भारत की हमारी परिकल्पना में ऐसे नागरिक भी होने चाहिए, जो अधिक स्वस्थ, जागरूक और रोकी जा सकने वाली बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हों। यहीं धनतेरस की भावना हमें एक सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकती है। हम इस पर्व को अपने घर में कुछ नया लाने से जोड़कर देखते हैं। तो क्यों न इस वर्ष हम अपने घर एक नई अच्छी आदत भी लेकर आएं? यह आदत सोच-समझकर पौष्टिक भोजन करने की हो सकती है, नियमित योगाभ्यास की हो सकती है, पर्याप्त नींद लेने की हो सकती है या परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय से टल रही स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने की हो सकती है। इस शुभ अवसर पर मैं प्रत्येक नागरिक से अपील करता हूं कि वह निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का व्यक्तिगत संकल्प ले। आइए, हम अपनी दिनचर्या में कम से कम एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत करें और परिवार के किसी एक अन्य सदस्य को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। अपने बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, आवश्यकता पड़ने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लें और स्वस्थ जीवनशैली को पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी बनाएं। इस धनतेरस जब हम अपने घरों में दीपक जलाएं, तो उसकी रोशनी हमें अपने और अपने प्रियजनों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी स्मरण कराए। हम जो आभूषण खरीदते हैं, वे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को विरासत में मिल सकते हैं, लेकिन जो अच्छी स्वास्थ्य संबंधी आदतें हम अपने परिवार में विकसित करते हैं, वे भी आने वाली पीढ़ियों के लिए उतनी ही मूल्यवान विरासत बन सकती हैं। इस धनतेरस आइए, हम अपने घर केवल समृद्धि के प्रतीक ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की नई आदतें भी लेकर आएं। अपने प्रियजनों की देखभाल करें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और निवारक स्वास्थ्य को अपने परिवार के उज्ज्वल भविष्य की नींव बनाएं।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

आलेख

भारत का उभरता सुपर कंप्यूटिंग परितंत्र

भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा 1990 के दशक की शुरुआत में परम 8000 से विकसित होकर 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक राष्ट्रीय परितंत्र में बदल गई है। सितंबर 2026 तक 40 सुपर कंप्यूटरों द्वारा 68 पीएफ (पेटाफ्लॉप्स) यानी काफी तेज गणना देने के साथ, एनएसएम उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) तक अपना विस्तार कर रहा है। मिशन ने कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी एवं जलवायु मॉडलिंग, आपदा प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स और खगोल भौतिकी में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को संभव बनाते हुए स्वदेशी सर्वर, सॉफ्टवेयर, कूलिंग और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं। फसल पैदावार की भविष्यवाणी करने और बीमारी के प्रकोप पर नज़र रखने से लेकर दवा की खोज में तेजी लाने और नदी की बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने तक, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सामाजिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। वे बड़े पैमाने पर डेटासेट को संसाधित करने में मदद करते हैं और जलवायु, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और इंजीनियरिंग में जटिल सिमुलेशन का समर्थन करते हैं। वे तेजी से विश्लेषण भी संभव करते हैं और शोधकर्ताओं को जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का तेजी से समाधान करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक खोज और तकनीकी नवाचार में तेजी लाने के लिए यह आवश्यक होता जा रहा है। सुपर कंप्यूटर उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम हैं जिन्हें असाधारण गति पर जटिल गणनाओं को संभव बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वे एक साथ कई गणनाएं करने के लिए बड़ी संख्या में प्रोसेसर को जोड़ते हैं। यह शोधकर्ताओं को बड़े पैमाने पर डेटासेट का विश्लेषण करने और परिष्कृत सिमुलेशन को कुशलतापूर्वक चलाने में सक्षम बनाता है। इसलिए सुपर कंप्यूटर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं। देश का बढ़ता डिजिटल परितंत्र उन्नत कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की मांग को बढ़ा रहा है। भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। इसलिए सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। यह प्रयास स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करता है और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

चनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना

भारत के उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन का दूसरा संस्करण एस्टिक (ईएसटीआईसी)-2026 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से आयोजित ईएसटीआईसी-2026 उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मोर्चे को आगे बढ़ाएगा। इनमें सुपरकंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह सम्मेलन रणनीतिक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा और देश के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। 12 विषयगत क्षेत्रों में फैले इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चा और प्रदर्शनियां होंगी। देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) शुरू किया। इस मिशन को लगभग 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) संचालित करता है। इस मिशन का उद्देश्य सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और देश की उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करना है। इस मिशन में वैज्ञानिक और तकनीकी डोमेन में अनुसंधान, विकास और समस्या-समाधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है।

महतारी वंदन से बेटी पढ़ाओ को मिल रहा संबल

धनंजय राठौर

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी।

यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है। योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। हमारा विश्वास है कि जब परिवार की महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा और पोषण से लेकर परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों तक उसकी भागीदारी और मजबूत होती है। इसलिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार माताओं-बहनों के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य देकर उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास दे रही है। दंतेवाड़ा जिले के बोडरी गांव की प्रमिला पोतामी के लिए बेटी की पढ़ाई के लिए बचत करना पहले आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित मासिक सहायता ने उनके लिए बचत की राह खोली है। प्रमिला कहती हैं, हमारी आमदनी इतनी नहीं है कि कुछ बचाकर रख सकें। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि बड़ी मददगार है। इस राशि का कुछ हिस्सा मैं सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं जो आगे चलकर बेटी की पढ़ाई में काम आएंगे। दक्षिण बस्तर का दंतेवाड़ा लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे क्षेत्र में बेटी की शिक्षा के लिए बचत का यह प्रयास बदलती आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य को नई उम्मीद दे रहा है। प्रमिला की तरह कुछ अन्य महिलाएं भी मासिक सहायता का हिस्सा बेटियों के नाम बचत करने में लगा रही हैं। इस योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, इससे महिलाएं अपनी आय के स्रोत विकसित कर कर अपने परिवार का आर्थिक रूप से सहयोग कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिल रही है, इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने और उन्हें प्राप्त करने में मदद मिल रही है। रायपुर जिले के रावेली गांव की मीना निषाद ने भी अपनी बेटी महिमा के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है। वह कहती हैं, महतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। मैं यह राशि अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं। मैं चाहती हूं कि आगे चलकर यह बचत उसकी पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों में काम आए।सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के पर्री गांव की अंजू कुशवाहा भी इसी तरह बचत कर रही हैं। वह मासिक सहायता की कुछ राशि बेटी के सुकन्या खाते में जमा करती हैं और शेष रकम घरेलू खर्चों पर लगाती हैं। उनके मुताबिक, नियमित आर्थिक मदद से भविष्य के लिए थोड़ी-बहुत बचत कर पाने का भरोसा बढ़ा है। वहीं, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के बघमरा गांव की दीपाली मरकाम इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की स्कूली जरूरतों और बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में कर रही हैं। उनका कहना है कि हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन सीमित घरेलू संसाधनों के बीच भविष्य के लिए पैसे बचाना आसान नहीं होता। मासिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई में योगदान देने और बेटी के लिए बचत करने में मदद मिल रही है। सुशासन की सरकार महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह 1,000 यानी सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर प्रदेश की माता-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 8 अक्टूबर 2026 को योजना की 32 वीं किस्त के रूप में 67 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में डी बी टी के माध्यम से 632.40 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। अब तक 20,708 करोड़ से अधिक की राशि महतारी वंदन योजना के माध्यम से माता-बहनों को प्रदान की जा चुकी है।महतारी वंदन योजना से रायपुर जिले के 5 लाख 13 हजार 534 हितग्राही, बिलासपुर जिले के 4 लाख 11 हजार 310 हितग्राही, दुर्ग के 3 लाख 89 हजार 507 हितग्राही, बलौदाबाजार-भाटापारा के 3 लाख 19 हजार 815 हितग्राही और महासमुंद जिले के 3 लाख 12 हजार 162 हितग्राहियों के खातों में डी बी टी के माध्यम से सुशासन की सरकार राशि अंतरित कर माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सक्षम बना रही है। वर्ष 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य के लिए बचत का अवसर देती है।

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना

ललित गर्ग

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है-'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है। केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे



कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं।

जीवन के हर क्षेत्र में मनमुटाव न कर तालमेल बैठाये : मुनिश्रमण सागर जी

■ श्री सिद्ध चक्र मंडल विधान में सानिध्य का अनुरोध



राघौगढ़ (विश्व परिवार)। आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, प्रवचन वाचस्पति, औजस्वी वक्ता, विद्या गुरुकुल भूषण, बुंदेली आशु कवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने बुधवार को राघौगढ़ में जारी श्रमण धारा प्रवचन माला के अंतर्गत तालमेल कैसे बैठाएं विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा जीवन के हर क्षेत्र में क्रिकेट में दो खिलाड़ियों, गुरु एवं शिष्य, पति-पत्नी, दो मित्रों के बीच विचार नहीं मिलने से मनमुटाव हो जाता है। यह समस्या किसी एक की नहीं है। यह समस्या सार्वभौमिक है। आपने कहा किसी के 100% विचार मिलते हैं मगर तालमेल नहीं बैठता है। किसी के 50% विचार मिलते हैं मगर तालमेल नहीं बैठता है। किसी के 100% विचार नहीं मिलते हैं मगर ताल मेल भी नहीं बैठता है। आपने कहा विचारों के साथ हर क्षेत्र में तालमेल बिठाना एक कला है। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने कहा जब आप किसी के निकट संपर्क में रहते हैं तो घनिष्ठ संबंध हो जाते हैं आत्मीयता हो जाती है। धीरे-धीरे एक दूसरे की अच्छाई बुराई को देखकर उनके प्रति श्रृद्धा कम होने लगती है। आपने कहा मेरे जीवन में जितने लोग उनमें मात्र मेरे दीक्षा गुरु आचार्य विद्यासागर जी महाराज ऐसे व्यक्तित्व की प्रतिमूर्ति हैं जिनके मेरे मन अपार श्रृद्धा है।भावावेश में जो नव दंपति जीवन भर साथ निभाने का वायदा कर प्रेम विवाह करते हैं उनकी स्थिति यह होती है कि धीरे-धीरे उनके संबंधों में खटास आ जाती है और वह खटास विवाह संबंध विच्छेद में बदल जाती है। हर व्यक्ति में बुराइयां एवं अच्छाइयां दोनों होती हैं। अगर आप बुराइयों को नजर अंदाज कर अच्छाइयों को ही देखेंगे तो दूरियां नहीं बढ़ेगी। गुस्से में बिना बेचारे जो कदम उठाते हैं वह मूर्ख कहलाते हैं। आचार्य आपने आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के कथन का उल्लेख करते हुए कहा जीवन में कभी हार तो होती ही नहीं है। जीत मिलेगी या सीख मिलेगी। आपने यह भी कहा प्रयास करने पर गुच्छे की अंतिम चाबी से ताला खुल जाता है। जीवन में सारा खेल पूण्य और पाप का है। सुख में फूलों न दुख में कूलो। जीवन में आए सुख को पचाना सीखो। सुख में चिल्लाओगे तो मित्र भी दुश्मन बन जाएंगे।

विपरीत परिस्थितियों में कोई आपकी मदद कर रहा है तो आप उसे हितेषी मानने से पहले सतर्क रहें। मदद करने के पीछे उसके उद्देश्य को समझें वह प्रबल शत्रु हो सकता है। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने कहा परिवार में पति-पत्नी के बीच विचार मिलते हैं, मगर छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव हो जाता है। पत्नी कह रही है आज रोटी बनाना है। पति का रहा है आज पराठे बनाओ। इस बात पर परिवार में विवाद हो जाता है। आपने कहा इस विवाद पर शांति से विचार करें और हल निकाले इसका हल दोनों मिलकर इस तरह निकाले आज रोटी बना लो 4 दिन बाद पराठे बना लेना। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से मनमुटाव बढ़ता है। जिस समय विवाद की स्थिति बने गुस्सा न करें। बिना गुस्सा के विचार करेंगे तो रास्ता निकलेगा। गुस्सा कमजोर व्यक्ति की झूठी ताकत है। किसी भी व्यक्ति की मेहनत बेकार नहीं जाती है।

शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

■ प्रमुख मार्गों और बाजारों को प्राथमिकता देने के निर्देश



भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने आज निगम सभागार कक्ष में शहर की प्रकाश व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहर के सभी क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर एवं सुचारू बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा एवं आवागमन को ध्यान में रखते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करना निगम की प्राथमिकता है।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों एवं बाजार क्षेत्रों में विशेष प्राथमिकता के साथ स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिन स्थानों पर लाइट बंद हैं अथवा प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, उनका चिन्हांकन कर तत्काल सुधार कार्य कराया जाए। आवश्यकता वाले स्थानों पर नई लाइट लगाने के साथ ही खराब एवं बंद पड़ी लाइटों को शीघ्र बदलने की कार्रवाई की जाए, ताकि शहर के नागरिकों को रात्रि के समय आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में आयुक्त ने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल, जनदर्शन एवं अन्य ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त प्रकाश व्यवस्था संबंधी शिकायतों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

आयुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकतानुसार मैदानी निरीक्षण कर व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। निगम का प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो, जिससे नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

रायपुर नगर निगम ने आयोजित की 'Walk with a Cause' हेरिटेज वॉक

■ विरासत के संग स्वच्छता का संदेश



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा शहर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से नागरिकों, विद्यार्थियों और गणमान्यजनों को परिचित कराने के साथ-साथ स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। 'Walk with a Cause' की भावना के साथ आयोजित इस पहल में विरासत के संरक्षण और स्वच्छ शहर के संकल्प को एक साथ जोड़ा गया। नगर निगम ने इस आयोजन को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित कर पर्यावरण अनुकूल आयोजनों की मिसाल प्रस्तुत की।

हेरिटेज वॉक का शुभारंभ नागरीदास मंदिर से हुआ। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने जैतूसाव मठ, जगन्नाथ मंदिर, हनुमान की बावड़ी होते हुए टुरी हटरी तक भ्रमण किया। पूरी हेरिटेज वॉक का संचालन एवं मार्गदर्शन सुश्री निष्ठा जोशी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक ऐतिहासिक स्थल पर प्रतिभागियों को रायपुर के इतिहास, स्थापत्य कला, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा उनसे जुड़ी रोचक जानकारियों से सहज और रोचक तरीके से अवगत कराया। इस दौरान नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त कीं, अनेक प्रश्न पूछे और रायपुर के गौरवशाली अतीत को करीब से जाना।

कुंडलपुर स्थित बड़े बाबा के पावन प्रांगण में 5 दिवसीय 'प्रतिमा व्रत विज्ञान एवं समाधि-साधना शिविर' का भव्य आयोजन



कुण्डलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज एवं मुनि श्री पवित्रसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में 12 से 16 नवंबर 2026 तक पांच दिवसीय 'प्रतिमा-व्रत विज्ञान एवं समाधि-साधना शिविर' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शिविर में संघस्थ बाल ब्रह्मचारी अनूप भैया,एवं रिंकू भैया, ब्र. शैलेश एवं ब्र. मनोज भैया अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्या वाणी एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री जयकुमार जैन जलज ने बताया इस आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित विद्वानों एवं वक्ताओं का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इनमें ब्रह्मचारी जिनेश मलैया (इंदौर), पंडित महेश जी (सतना), ब्रह्मचारी धीरज भैया (राहतगढ़), व्रती विद्वान पंडित महेंद्र विस्कुट (विदिशा), व्रती विद्वान पंडित सिद्धार्थ जी (सतना) तथा व्रती श्रावक अशोक जैन, एस.ई. (विदिशा) प्रमुख रूप से शामिल हैं। पांच दिवसीय इस शिविर में प्रतिमा-व्रत के स्वरूप, उसके आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक विज्ञान तथा समाधि-साधना के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। शिविर का उद्देश्य धर्म, संयम, साधना और आत्मकल्याण की भावना को मजबूत करना है। इस आयोजन के पुण्यार्जक के रुप मे ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी (बांसा) तथा चौधरी प्रेमचंद एवं प्रदमकुमार पारस परिवार (बांसा) ने स्वीकृति प्रदान की हैं। प्रबंधकारिणी कमेटी, सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर के पदाधिकारियों ने शिविर में सम्मिलित होने वाले इच्छुक धर्मप्रेमियों से 8 नवंबर 2026 तक अपनी सहभागिता की सूचना अनिवार्य रूप से देने का आग्रह किया है,जिससे आवास की व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। पंजीयन के लिए मोबाइल नंबर 7697981008 एवं 7771835891 पर संपर्क करें।

बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों पर आयोग का बड़ा कदम: आश्रम छात्रावासों के लिए SOP प्रस्तावित

■ मंत्री रामविचार नेताम जी ने दिए कड़ी कार्यवाही के निर्देश



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के आश्रम-छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों (प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक, एकलव्य, प्रयास एवं कन्या शिक्षा परिसर) में निवासरत बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और बाल अधिकारों (POCSO Act, 2012 एवं JJ Act, 2015) के प्रभावी अनुपालन को लेकर आज दिनांक 04/11/2026 को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने माननीय मंत्री, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग से सौजन्य भेंट कर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने प्रदेश के आश्रमों और छात्रावासों की संवेदनशील व प्रणालीगत कमियों को दूर कर उनके सुरक्षित व जवाबदेह संचालन के लिए एक विस्तृत 'मानक संचालन प्रक्रिया' प्रस्तावित की। माननीय मंत्री जी ने आयोग की इन चिंताओं और सुझावों पर उत्साहपूर्वक शीघ्र एवं ठोस कार्यवाही करने की बात कही है।

आयोग द्वारा प्रस्तावित मानक संचालन प्रक्रिया के प्रमुख बिंदु

आकस्मिक मृत्यु की रोकथाम व त्वरित उपचार: मलेरिया, डायरिया, पीलिया, सिकलसेल व सर्पदंश से होने वाली बच्चों की आकस्मिक मृत्यु रोकने हेतु प्रत्येक छात्रावास को निकटतम 24×7 स्वास्थ्य केंद्र व '108 संजीवनी एक्सप्रेस' से जोड़ा जाए तथा किसी भी बच्चे को बुखार आने पर 2 से 6 घंटे के भीतर अनिवार्य रक्त जांच व अस्पताल रेफरल की एसओपी लागू हो।

दीपावली : सुगम आवागमन और व्यवस्थित व्यापार के लिए महापौर अलका बाघमार ने किया निरीक्षण

■ इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैंड, निब्बू लाइन में दो घंटे तक पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दुकानों के सामने 8×8 फीट की चूने से कराई गई मार्किंग



दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम। दीपावली एवं छठ पर्व को देखते हुए शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी के लिए नागरिकों की भीड़ बढ़ने लगी है। त्योहार के दौरान व्यापारियों एवं ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैंड, एवं पुराना थाना के पीछे स्थित निब्बू लाइन सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया।महापौर एवं आयुक्त ने लगभग दो घंटे तक पैदल भ्रमण कर बाजार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान दुकानों के बाहर हो रहे अतिक्रमण, पसरा, ठेला-खोमचा एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। दुकानदारों को अपनी दुकानों की निर्धारित सीमा में रहकर ही व्यापार करने की समझाइश दी गई। साथ ही दुकानों के सामने 8म8 फीट की चूने से मार्किंग कराई गई, ताकि प्रत्येक दुकानदार एवं ठेला-खोमचा संचालक निर्धारित सीमा में ही अपना व्यवसाय संचालित कर सकें।

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने पुराना बस स्टैंड स्थित पार्किंग स्थल का भी जायजा लिया। दीपावली के दौरान बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था व्यवस्थित रखने तथा नागरिकों के वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कुछ स्थानों पर अव्यवस्थाएं पाए जाने पर महापौर ने मौके पर ही निगम अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिजली खर्च में मिल रही राहत

सुकमा (विश्व परिवार)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से जिले के नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली खर्च में बचत कर रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिका सुकमा के बगीचा पारा निवासी विशाल शाह ने योजना का लाभ लेते हुए अपने घर पर 05 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है।

विशाल शाह ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने घर में सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। 05 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित होने से अब उनके घर में बिजली की जरूरत सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरी हो रही है। इससे उन्हें बिजली खर्च में राहत मिल रही है और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता भी कम हुई है।

उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का घरेलू उपयोग करने के साथ ही अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है। इसके बदले बिजली खाते में क्रेडिट दर्ज होता है, जिसका समायोजन आगामी बिजली बिल में किया जाता है। इस व्यवस्था से सौर ऊर्जा का बेहतर उपयोग हो रहा है और परिवार को आर्थिक बचत का लाभ मिल रहा है।

विशाल शाह ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को आम नागरिकों के लिए उपयोगी एवं लाभकारी पहल बताते हुए कहा कि इससे परिवारों को बिजली खर्च में राहत मिलने के साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को योजनांतर्गत सब्सिडी दिलाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति में रचा-बसा है सुआ नृत्य, अंचल में मची धूम



आरंग (विश्व परिवार)। इन दिनों अंचल में सुआ नृत्य की धूम मची है। दीपावली के नजदीक आते ही बालिकाएं और महिलाएं समूह में घर-घर, गली-मोहल्ले में पहुंचकर सुआ गीतों के साथ नृत्य कर रही हैं।इस नृत्य में धार्मिक और सामाजिक संदेश से भरे गीत गाए जाते हैं। बालिकाएं गोल घेरा बनाकर तालियों की थाप पर थिरकती हैं। यह विशुद्ध समूह नृत्य है, जिसमें किसी वाद्ययंत्र की आवश्यकता नहीं होती। कुछ बालिकाएं गीत की टेक उठाती हैं और शेष उसे दोहराते हुए नाचती हैं। समापन पर सुआ के लिए अन्न-धन मांगा जाता है और अन्न-धन मिलने पर आशीर्वाद गीत गाकर आशीष दिया जाता है।

जानकारों के अनुसार सुआ नृत्य की परंपरा कब से चली आ रही है, इसका कोई लिखित साक्ष्य नहीं है। सुआ एक शाकाहारी पक्षी है जो हूबहू मनुष्य की आवाज निकाल सकता है। मान्यता है कि पहले युवतियां अपने मन की बातें सुआ पक्षी के सामने प्रकट करती थीं, जो धीरे-धीरे गीत और बाद में नृत्य का रूप ले लीं। वहीं संस्कृति प्रेमी शिक्षक महेन्द्र पटेल का कहना है कि सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ की संस्कृति में रचा-बसा है। दीपावली नजदीक आते ही बालिकाएं इसके लिए उत्साहित रहती हैं। यह नृत्य दीपावली के साथ-साथ तीजा, पोला, छेरछेरा और शरद पूर्णिमा पर भी विशेष रूप से किया जाता है। आजकल गांव-गांव में सुआ नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित होने लगी हैं, जो हमारी लोक-संस्कृति को सहेजने का सुंदर प्रयास है।

मोह के साथ योग खतरनाक है मोह रहित अवस्था में ही योग बनता है: मुनि पुगंव श्री सुधासागर महाराज जी

■ समयसार शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में युवा विद्वान बन रहें सब के आकार्षण का केन्द्र : विजय धुर्रा



इन्दौर (विश्व परिवार)। मोह के साथ योग खतरनाक है मोह रहित अवस्था में ही योग बनता है उपयोग के पहले योग की स्थिति बनना चाहिए सरल रेखा कहने में जितनी सरल लगती है खींचना में उतनी ही कठिन है उसको खींचना बहुत कठिन काम है द्रव्य क्षेत्र काल भाव सही होगा तब कहीं सरल रेखा खिंचेगी इसके लिए कागज पेन ड्राइंग बोंड स्केल पट्टी की आवश्यकता होती है इतनी सारी चीजें हो तब कहीं सरल रेखा खिंचेगी इसमें भी यदि हाथ हिल गया टेबिल हिल गई तो भी सरल रेखा नहीं खिंच पायेगी ऐसे ही तुम्हारी आत्मा में भगवान बनने की ताकत है ऐसे आत्मा को पाने के लिए सब कुछ सरल रेखा की तरह सरल लगता है लेकिन आत्मा को पाना बहुत कठिन है सब कुछ सरल लगते हुए भी सरल रेखा बहुत आसन लगते पाना बहुत कठिन है इसके लिए भी बहुत पुरुषार्थ की आवश्यकता है उक्त आश्य केउद्गार दलाल बाग मैदान इन्दौर में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

सुखी रहें सब जीव जगत के कोई कभी ना घबरावे

उन्होंने कहा कि संत हर समय जगत के कल्याण की ही तो भावना करते रहते हैं सुखी रहें सब जीव कोई कभी ना घबरावे सुख दु:ख से भगवान ऊपर उठ गये गुरु को मालूम है गुरु तुम्हारे घर जाता है वह सुनता है पहले सुनता है कहे सीख गुरु करूणा धार शिष्य की भक्ति देखो भगवान से बढ़ा गुरु को कह दिया गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागूं पाय बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताए गुरु कुछ नहीं चाहत फिर कहा दिया कि गुरु सब कुछ है भगवान बहुत बढ़ी शक्ति है फिर भी आपने भगवान के स्थान पर गुरु के



रूप में चयन कर लिया गुरु आपके दोषों को निकाल कर गुणों की स्थापना करते हैं

समयसार ग्रन्थ की गाथाएं सुनाकर सबको आकर्षित कर रहे हैं युवा पीढ़ी: विजय धुर्रा

इसके मध्य प्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में चल रहे श्री समयसार शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे सांगानेर जयपुर के युवा विद्वान एवं विदुशी की क्षमताओ से सारा देश प्रभावित हो रहा है जव ये युवा समयसार जी कि गाथाओं को सुनाते हैं तो लगता है कि आने वाले समय में भी शास्त्रो के गुण रहस्यो को खोलने बाली भावी पीढ़ी परम पूज्य गुरुदेव के पास तैयार हो रही है जो इस देश की श्रमण संस्कृति को आगे बढ़ायेगी इस दौरान आज प्रात: काल की वेला मे जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा परम पूज्य गुरुदेव द्वारा करवाई ग ई इस दौरान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण संगोष्ठी पुण्यर्जक गिरीश जैन गिन्नी परिवार अशोक जोशी स्वागत अध्यक्ष संजय सामरिया ने किया वहीं दीप प्रज्जवलन संगोष्ठी संयोजक आनंद गोधा संयोजक अक्षय कासलीवाल भूपेंद्र जैन अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने किया

मोह संसार का कारण नहीं असंयम संसार का कारण है

उन्होंने कहा कि-मोह संसार का कारण नहीं है असंयम संसार का कारण है अविरती हटने पर मोह हटता है मोह के कारण हमारे ज्ञान का पर्दा नहीं उठाया जीव अज्ञानी ही बना रहता है अकेला मोहनीय कर्म संसार का नहीं है जो अभाव में सद्भाव की अनुभूति का प्रसंग चल रहा है ये चार प्रकार के होते हैं अत्यंताभाव जो कभी नहीं होगा अनयोदया भाव प्रागभाव और प्रधंसाभाव दुध में दही का दर्शन करने वाला समयसार ग्रन्थ है द्रव्य तो दुध में भी है और दही में भी है दुध से दही भिन्न का स्वभाव भी बदल जाता है आप ऐसी दशा बना लो जिसमें आपको भविष्य के दर्शन हो जाए। कहीं निश्चय नय शेख चिल्ली की कहानी तो नहीं जो कुछ भी नहीं मिलेगा ये कल्पनाओ की उड़ान तो नहीं प्रागभाव में अपनी ही भावी पर्यया को देख रहा है राजकुमार राजा बनने के गुण सीखता है तव कहीं वह राजा बन पाता है ऐसे ही अपनी भावी पर्याय को ध्यान करता रहता है हजारों बार ऐसा करने पर वह एक दिन सिद्धांत को प्राप्त कर लेगा।

समयसार के चिंतन से रुपातीत ध्यान को समझा जा सकता है

उन्होंने कहा कि, आर्स परम्परा में नमक का स्वाद अभाव में सदभाव का अनुभव करता है अभाव में सदभाव का अनुभव करता तो आसान है लेकिन सदभाव में अभाव का अनुभव करें मैं मनुष्य नहीं हूं मनुष्य नहीं होने की अनुभूति लाना बहुत कठिन है जो तुम्हारे पास पद प्रतिष्ठा है उसे भूलें अज्ञानी ज्ञान का अनुभव तो कर सकता हैं ज्ञानी ज्ञान को भूलने को तैयार नहीं होता यदि ज्ञान को भूलकर अपने आप में चलें जाये तो आप ऐसी अवस्था में पहुंच जायेंगे जिसे सदभाव में अभाव कहा जाता है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, गुरूवार 05 नवंबर 2026



हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्या, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।



चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुईं। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई देती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।





क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।



कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।



दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 05 नवम्बर 2026

नक्सलवाद के अंत के बाद बीजापुर में विकास को मिली नई गति

■ तीन वर्षों में 90 से अधिक गांवों तक पहुंची बिजली



बीजापुर (विश्व परिवार)। कभी नक्सलवाद के कारण विकास की मुख्यधारा से कटे रहे बीजापुर के दूरस्थ और अंदरूनी इलाकों में अब बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। पिछले तीन वर्षों में जिले के 90 से अधिक ऐसे गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है, जहां पहले विद्युत सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जबकि 50 से अधिक गांवों में विद्युतीकरण का कार्य जारी है। जिले में एक हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। नक्सलवाद के प्रभाव में कमी और बेहतर सुरक्षा वातावरण के कारण अब उन क्षेत्रों तक भी विकास कार्य पहुंच रहे हैं, जहां कभी प्रशासन और निर्माण एजेंसियों के लिए पहुंचना बेहद कठिन था। बुधवार को पत्र सूचना कार्यालय रायपुर द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बीजापुर के सहयोग से गर्ल्स पोर्टा केबिन ऑडिटोरियम में आयोजित विशेष वार्तालाप कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बीजापुर के कलेक्टर श्री विश्वदीप ने जिले में हो रहे विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की।

'शांति से विकास की ओर' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर ने कहा कि बीजापुर में विकास की सबसे बड़ी प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक तक बुनियादी सुविधाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। सड़क, बिजली, पेयजल और डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार प्रशासन के प्रमुख एजेंडे में शामिल है।

सड़क, पुल और बिजली से बदल रही तस्वीर

सड़क संपर्क और बिजली की उपलब्धता से जुड़े पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कलेक्टर ने बताया कि जिले में पिछले तीन वर्षों के दौरान 90 से अधिक गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है और 50 से अधिक गांवों में विद्युतीकरण का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के कारण निर्माण कार्यों के लिए सीमित समय ही उपलब्ध हो पाता था। कई स्थानों पर सुबह शुरू हुआ सड़क निर्माण कार्य दोपहर तक रोकना पड़ता था।

उन्होंने दोरनापाल-जगरगुंडा सड़क का उदाहरण देते हुए बताया कि वर्ष 2013 में स्वीकृत यह सड़क वर्ष 2025 के अंत तक पूरी हो सकी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पहले इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को पहुंचाना कितना कठिन था। अब बदले हुए वातावरण में अंदरूनी क्षेत्रों में भी सड़क और पुल निर्माण के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कुंडापुली सहित विभिन्न क्षेत्रों में बरसात के दौरान भी पुलिया निर्माण के प्रयास किए गए हैं। फुंडरी पुल का निर्माण अंतिम चरण में है तथा बेदरे सहित अन्य स्थानों पर भी पुल निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार प्राथमिकता

शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े सवालों पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में बंद पड़े स्कूलों को दोबारा शुरू करने और उनके बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिले के 55 आदिवासी छात्रावासों के निर्माण और आधारभूत सुविधाओं के विकास का कार्य भी प्राथमिकता में है। इसी तरह इस वर्ष से नया नर्सिंग कॉलेज शुरू करने की पहल की जा रही है। जिला अस्पताल की आवश्यक अधोसंरचना और सुविधाओं को विकसित करना भी प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पर्यटन और आजीविका से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

बीजापुर में पर्यटन की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में कलेक्टर ने बताया कि जिले में पर्यटन विकास के लिए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में एक नवंबर से जंगल सफारी शुरू की गई है। वर्तमान में सफारी का मार्ग लगभग नौ किलोमीटर है, जिसे आगे बढ़ाकर 32 से 33 किलोमीटर तक करने की योजना है।

बिहान की दीदियों को उद्यमी बनाने बस्तर में बैंकर्स कार्यशाला

■ समय पर ऋण और बेहतर समन्वय पर रहा जोर



जगदलपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में समूह बैंक क्रेडिट और इंटरप्राइजेज फाइनेंस विषय पर एक दिवसीय बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में महिला स्व-सहायता समूहों के वित्तीय समावेशन को और अधिक मजबूत बनाना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना के लिए सुलभ ऋण प्रवाह सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर श्री श्रीनिवास राव, एनआरएलएम के श्री अशोक चौहान एवं अग्रणी जिला प्रबंधक श्री जॉर्ज विलियम तिर्की विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही बस्तर जिले के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, बैंकर्स तथा जनपद पंचायतों से आए खंड मिशन प्रबंधक, जिला मिशन प्रबंधन इकाई और खंड मिशन प्रबंधन इकाई की टीमों ने भी कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान स्वयं सहायता समूह बैंक क्रेडिट लिंकेज के तहत समूहों को समय पर कैश क्रेडिट लिमिट की स्वीकृति देने और उनके व्यक्तिगत व सामूहिक उद्यमों को मजबूत करने के लिए इंटरप्राइजेज फाइनेंस की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन ऋण आवेदन और त्वरित स्वीकृति प्रक्रिया को गति देने के लिए इला एप्लीकेशन का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया, साथ ही खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना और स्वरोजगार सृजन के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनाओं के तहत वित्तीय लाभ उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय रिसोर्स पर्सन श्री श्रीनिवास राव ने कहा कि बैंकों का सहयोग ही बिहान की दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने की सबसे मजबूत कड़ी है। उन्होंने रेखांकित किया कि ग्रामीण महिलाएं अब केवल बचत तक सीमित न रहकर बड़े उद्यमों की ओर कदम बढ़ा रही हैं, इसलिए उन्हें विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ना प्राथमिकता होनी चाहिए।

कंचन बाग टंकी में कम जल भराव की शिकायत, मौके पर पहुंचे महापौर



■ पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ करने का दिया आश्वासन

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। लखोली कंचनबाग क्षेत्र में कम पानी आने की शिकायत पर आज सुबह महापौर श्री मधुसूदन यादव, निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम तथा तकनीकि अधिकारियो के साथ प्रभावित क्षेत्र एवं पानी टंकी का निरीक्षण कर पार्षदों से चर्चा किए।

उल्लेखनीय है कि कंचन बाग स्थित 13.50 लाख लीटर क्षमता वाली पानी टंकी में विगत दिनों से पानी का भराव कम होने से प्रभावित वार्ड क्रमश: वार्ड नं. 30,31 और 32 में कम समय तक और कम प्रेशर के साथ पानी आने की सूचना संबंधित वार्ड के पार्षद श्रीमती गिरिजा संतोष निर्मलकर, श्री चंद्रशेखर लश्करे एवं श्रीमती रीना सिन्हा द्वारा महापौर श्री मधुसूदन यादव को दी गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आज सुबह महापौर श्री यादव ने कंचन बाग टंकी निरीक्षण कर अधिकारियों से चर्चा की एवं वस्तु स्थिति की जानकारी लिए। उन्होंने टंकी में पूर्ण रूप से पानी का भराव होने पर ही पेयजल सप्लाई शुरू करने के निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित वाल्वमेन इसका विशेष ध्यान रखेगे। किसी भी प्रकार की समस्या पर संबंधित अधिकारी को अवगत करायेगे। स्थिति में सुधार होते तक प्रभावित क्षेत्र में टैंकर से पानी सप्लाई करना सुनिश्चित करेगे।

महापौर श्री यादव ने कहा कि कंचन बाग टंकी बड़े आकार की होने के कारण दोनों समय पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसके लिए इस टंकी हेतु अलग से राइजिंग पाइप लाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है। आगामी जनवरी माह तक शाम के समय भी पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने इसके लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की।

वहीं निगम आयुक्त श्री जी. आर. मरकाम ने वालमेनों को फटकार लगाते हुए कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। उन्होने संबंधित अधिकारियो से कहा कि पेयजल जैसे महत्वपूर्ण विषय में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, सुचारू पेयजल के लिए सतत मानिटरिंग करें, किसी भी प्रकार की समस्या पर उसका समाधान करें।

निरीक्षण की कडी में महापौर श्री यादव एवं आयुक्त श्री मरकाम शिवनाथ कालोनी पहुच कालोनी वासियो से रूबरू हो उद्यान में जीम उपकरण एंव अन्य आवश्यक सुविधा की मांग पर जल्द सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने वार्ड में चल रहे विकास कार्य का निरीक्षण कर रोड नाली निर्माण कार्य मे गुणवत्ता एवं समय सीमा का ध्यान रखते हुए कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लाईट संबंधी समस्या पर मरम्मत करने एवं ट्युबलर पोल लगाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि श्री संतोष निर्मलकर, श्री विजय सिन्हा, वार्डवासी श्री देवी लाल शर्मा, श्री लाला कुमावत, श्रीमती आशा दिपांकन, श्रीमती निशा गौतम, श्रीमती कल्पना सराफ श्री विजय शर्मा, अधिवक्ता श्री चैथवानी सहित प्र.कार्यपालन अभियंता श्री प्रणय मेश्राम, प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता श्री अनुप पाण्डे सहित कर्मचारी गण उपस्थित थे।

इस दिवाली वार्डो में पर्याप्त विद्युत व्यवस्था

■ 51 वार्डो में लगभग 1000 नई एलईडी लाईट लगी



राजनांदगांव (विश्व परिवार)। इस दिवाली वार्डो में पर्याप्त रोशनी एवं कई क्षेत्रों में व्याप्त अंधेरा को ध्यान में रखकर अंधेरा एवं दुर्घटनाजन्य क्षेत्र में नगर निगम द्वारा नई लाईट लगाने तथा विद्युत पोलो की खराब लाईटे बदलने की कार्यवाही की जा रही है, साथ ही लाईटो का मरम्मत भी किया जा रहा है। अब तक निगम सीमा क्षेत्र में लगभग 1000 नई एलएईडी लाईट लगाई गयी है। इस प्रकार नगर निगम नागरिकों को उनकी सुरक्षा व वार्डो में पर्याप्त रोशनी को दृष्टिगत रख दीपवली पर्व पर रोशनी का उपहार दे रही है।

महापौर श्री मधुसूदन यादव की पहल पर पार्षद निधि से लाईट खरीदी की शासन अनुमति पश्चात विभागीय प्रक्रिया कर वार्डो में पार्षदो की अनुशंसा अनुसार नई लाईट लगाकर पुरानी खराब लाईटे बदली गयी। इसी प्रकार महापौर सहित निगम आयुक्त श्री जीआर मरकाम की पहल पर दीपावली में वार्डो में पर्याप्त रोशनी को ध्यान में रख वार्डो की खराब लाईटे एवं नगर निगम सीमाक्षेत्र के दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र तथा मुख्य मार्गो के चैक चैराहो में फेकस लाईट लगाया गया। रेवाडीह चैक जहॉ दुर्घटना की ज्यादा संभावना रहती है, वहा हाईमास्ट लाईट लगाया गया साथ ही शहर के मुख्य चैक चैराहो में भी हाईमास्क लगाया गया है। इसके अलावा मुख्य मार्गो के डिवाईडर में लगे पुराने पोल निकाल नये ट्युबलर पोल लगाये गये है। साथ ही नेशनल हाईवे रोंड पारीनाला चैक से ट्रासपोर्ट नगर चैक तक पुरानी लाईट बदल कर 150 वाट की लगभग 300 नई लाईट लगायी गयी है।

वार्डो में विद्युत व्यवस्था दुरूस्तीकरण के तहत अब तक 51 वार्डो में लगभग 1000 नई लाईट आवश्यकता अनुसार 60 एवं 70 वॉट के एलईडी लाईट लगायी गयी है, लाईट लगाने का कार्य प्रगति पर है तथा 1500 से अधिक खराब लाईटे मरम्मत की गयी है, शेष लाईटे मरम्मत भी की जा रही है। नगर निगम का प्रयास कि वार्डो में पर्याप्त लाईट की व्यवस्था हो ताकि अंधेरा से छुटकारा मिल सके।

छत्तीसगढ़ के विकास में भाजपा की भूमिका को नकारना कांग्रेस की ओछी मानसिकता : भाजपा

■ दीपक बैज के बेतुके सवालों और कांग्रेसी नेताओं के प्रलाप से पीसीसी अब बन चुकी है- प्रोपेगैंडा कांग्रेस कमेटी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण से लेकर इसके सर्वांगीण विकास तक में भाजपा की ऐतिहासिक भूमिका को नकारना कांग्रेस की हताशा और ओछी राजनीति का खुला प्रमाण है। श्री ठोकने ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी वाजपेयी की दूरदर्शिता से बने इस राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर करने का काम भाजपा ने किया है, जबकि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में केवल भ्रष्टाचार और अव्यवस्था फैलाई।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सटीक व अभेद्य रणनीति और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उपमुख्यमंत्री/गृह मंत्री विजय शर्मा के सशक्त, साहसिक व सक्रिय क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर चुका है। श्री ठोकने ने कहा कि जिस नक्सलवाद के सामने कांग्रेस सरकारें घुटने टेकती रहीं और कदम-कदम पर नक्सलियों से भाईचारा निभाती रहीं, उसे भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पर सीधा हमला बोलते हुए श्री ठोकने ने कहा कि बैज के पास न कोई मुद्दा बचा है और न ही कोई दृष्टि। उनके बेदम, तथ्यहीन और बेतुके सवालों और कांग्रेस नेताओं के अनर्गल प्रलाप ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) को अब पूरी तरह प्रोपेगैंडा कांग्रेस कमेटी में तब्दील कर दिया है।

किसान मितान के जरिए गाँव-गाँव तक पहुँचेगा किसान मोर्चा का संगठन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा प्रदेश के 27 हजार बूथों में 'किसान मितान' के गठन का वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी सिलसिले में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम से सौजन्य भेंट कर उन्हें कार्यक्रम का औपचारिक आमंत्रण सौंपा। यह राज्यस्तरीय कार्यक्रम 5 नवम्बर को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद बंसीलाल गुर्जर, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव उपस्थित रहेंगे।

नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र से बच्चों के उवल भविष्य को मिलेगी नई दिशा : पुरन्दर मिश्रा



रायपुर (विश्व परिवार)। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के राजीव गांधी वार्ड क्रमांक-13 में आज नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को नवीन आंगनबाड़ी केंद्र की सौगात मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। नवनिर्मित केंद्र से क्षेत्र के नन्हे बच्चों एवं मातृशक्ति को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में रायपुर महापौर मीनल चौबे जी, सभापति सूर्यकांत राठौर जी, MIC सदस्य एवं पार्षद महेंद्र खोडियार जी, MIC सदस्य श्री दीपक जायसवाल जी, एल्डरमैन श्री गोपाल सोना जी सहित अन्य गणमान्यजन एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग बना वसूलीबाजों का चारागाह : कांग्रेस

■ जनगणना और परीक्षाओं के बीच नियमों को ताक पर रखकर बेची जा रही है पोस्टिंग



रायपुर (विश्व परिवार)। जनगणना और एसआईआर जैसी अत्यंत संवेदनशील और कानूनी रूप से प्रतिबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच चल रहे बेलगाम तबादला उद्योग पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि इस सरकार में तबादला कोई प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि बोली लगाने वाला एक खुला बाजार बन चुका है। चुनाव आयोग के नियमों को ताक पर रखकर जनगणना के समय ट्रांसफर करना, प्रशासनिक अराजकता की पराकाष्ठा है। सबसे अग्रणी स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट है, छत्तीसगढ़ के शिक्षा के मंदिर को इन लोगों ने वसूलीबाजों का चारागाह बना दिया है, जहां अर्धवार्षिक परीक्षा के समय गरीब बच्चों की पढ़ाई दांव पर लगी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि आज छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से गर्त में धकेल दिया है। भारत सरकार और चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनगणना और एसआईआर प्रक्रिया के दौरान ड्यूटीरत कर्मचारियों-अधिकारियों का ट्रांसफर पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। लेकिन, साय सरकार में नियमों की बलि चढ़ाकर खुलेआम तबादला उद्योग चलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग इसमें नंबर वन बन चुका है। शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों की चिंता इस सरकार को नहीं है उल्टे वहां पर से सुविधाजनक स्थानों पर पदस्थ कर रहे हैं। अर्धवार्षिक परीक्षाओं के ठीक बीच में, मोटी रकम की बोलियां लगाकर शिक्षकों और कर्मचारियों की पोस्टिंग खरीदी-बेची जा रही है। यह सरकार जनता के विकास के लिए नहीं, बल्कि उगाही और दलाली के लिए आई है।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि जनगणना जैसे गोपनीय और राष्ट्रीय कार्य के बीच में तबादलों का खेल इस बात का सबूत है कि इस सरकार में नीति-नियम नहीं, बल्कि वसूली का रेट कार्ड चल रहा है। छत्तीसगढ़ के गरीब बच्चों की शिक्षा को सत्ता में बैठे लोगों ने अपनी तिजोरी भरने का साधन बना लिया है। दूरदराज के आदिवासी और ग्रामीण अंचलों के स्कूलों को भगवान भरोसे छोड़कर शहरों में दलालों के जरिए पोस्टिंग बेची जा रही है।

रेलवे ने 145.07 मिलियन टन माल की ढुलाई दर्ज की

बिलासपुर। भारतीय रेलवे ने अक्टूबर 2026 के दौरान अपना शानदार परिचालन प्रदर्शन जारी रखा और माल ढुलाई में मजबूत वृद्धि दर्ज की। माल की अधिक ढुलाई और उससे होने वाली बढ़ी हुई कमाई, आर्थिक विकास को समर्थन देने और देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में भारतीय रेलवे के प्रयासों को दर्शाती है। भारतीय रेलवे ने अक्टूबर महीने में अब तक की सबसे अधिक माल ढुलाई हासिल की। इस महीने के दौरान 145.07 मिलियन टन माल की ढुलाई की गई, जबकि अक्टूबर 2025 में यह आंकड़ा 133.93 मिलियन टन था। इस प्रकार, इसमें 8.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस महीने के दौरान कई प्रमुख वस्तुओं की ढुलाई में उत्साहजनक वृद्धि देखी गई। खाद्यान्न की ढुलाई में 26.3%, घरेलू कोयले में 16.0%, अन्य सामानों में 11.0%, क्लिंकर में 10.4%, घरेलू कंटेनरों में 6.3%, लौह अयस्क (आयरन ओर) में 5.0%, खनिज तेल में 1.9% और तैयार स्टील में 0.5% की वृद्धि हुई।

बलौदाबाजार : लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी जिला बलौदाबाजार के नेतृत्व में आज लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ के आह्वान के साथ विशाल रैली निकाली गई। रैली में लगभग 8 हजार 500 भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंची, अटल चौक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक स्वच्छ छवि वाली पार्टी है, जिसने कभी सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस के शासनकाल में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया था। उस समय भाजपा सहित विपक्षी दलों को दबाने की कोशिश की गई, लेकिन लोकतंत्र की शक्ति के सामने अंतत: कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि जब देश में विदेशी ताकतें अन्य राजनीतिक दलों को सहयोग करने लगती हैं, तब अराजकता फैलाने का प्रयास किया जाता है। भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ती है और जनता के आशीर्वाद से विभिन्न राज्यों में विजय प्राप्त करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जब चुनाव हार जाती है, तब चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर भ्रम फैलाने लगती है। भाजपा लोकतंत्र की मजबूती और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व विधायक एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिवरतन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार 13 करोड़ वोट चोरी का आरोप लगा रही है, जबकि मतदाता सूची में सुधार एवं शुद्धिकरण की प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा जिन मतदाताओं के नाम हटाने या स्थानांतरित होने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, उनमें बड़ी संख्या ऐसे मतदाताओं की है जिनके नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज थे, जिनकी मृत्यु हो चुकी थी अथवा जो अन्य कारणों से मतदाता सूची में सुधार के पात्र थे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया में लगभग 6 करोड़ बीस लाख मतदाताओं का नाम स्थानांतरण, 2 करोड़ 80 लाख मृत मतदाताओं के नाम, एक करोड़ दोहरे नाम तथा 3 करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम होने का दावा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर कांग्रेस को आपत्ति क्यों है, यह समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के सुधार से राहुल गांधी को राजनीतिक परेशानी हो रही है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-बिलासपुर
निविदा आमंत्रण सूचना वि.क्र.-54
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल वृत्त-बिलासपुर अन्तर्गत संभाग कोरबा में निक्षेप कार्य के तहत महुदा "च" तहसील बलौदा, जिला जांजगीर चांपा में हाई स्कूल का निर्माण कार्य हेतु द्वितीय ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग कोरबा के मो.नं. 9907285405 पर संपर्क करें
उपायुक्त
Samvad- 49695/3

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 05 नवम्बर 2026

दीपावली पर्व के अवसर पर विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

कोंडागांव। दीपावली पर्व के अवसर पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा मंगलवार को जिले के केशकाल क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। यह कार्रवाई नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ श्री दीपक अग्रवाल के आदेशानुसार, जिला कलेक्टर के निर्देशन एवं अभिहित अधिकारी के नेतृत्व में की गई। निरीक्षण के दौरान विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से बेसन, मैदा, अंजीर कतली, पनीर एवं खोवा के कुल 06 खाद्य नमूने संकलित किए गए। साथ ही, मौके पर खराब एवं मानव उपभोग के अयोग्य पाई गई कुल 15 किलोग्राम खाद्य सामग्री, जिसमें सूजी, सौंफ कोकोनट चुरा एवं मोतीचूर के लड्डू शामिल थे, को नियमानुसार नष्ट कराया गया।

विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में करेंगे स्थापित : सीएम साय

■ बस्तर और सरगुजा सहित जनजातीय एवं दूरस्थ अंचलों के युवाओं तक पहुंचे विश्वस्तरीय वैज्ञानिक शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण का लाभ : मुख्यमंत्री श्री साय



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ को प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ ज्ञान, विज्ञान, तकनीक और नवाचार की शक्ति से समृद्ध बनाना राज्य सरकार का संकल्प है। हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ को केवल औद्योगिक और आर्थिक विकास में ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान, उच्च शिक्षा, आधुनिक प्रौद्योगिकी और चिकित्सा नवाचार के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध खनिज संपदा, ऊर्जा संसाधनों, औद्योगिक संभावनाओं और प्रतिभाशाली मानव संसाधन को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान से जोड़कर विकास का एक नया अध्याय लिखा जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु के निदेशक प्रोफेसर जी. रंगराजन एवं संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में छत्तीसगढ़ को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, कौशल विकास और चिकित्सा अनुसंधान के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान और छत्तीसगढ़ शासन के बीच तीन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर संभावित सहयोग, आवश्यक वैज्ञानिक अधोसंरचना, संस्थागत व्यवस्थाओं और क्रियान्वयन की प्रारंभिक रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय विज्ञान संस्थान के निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों का छत्तीसगढ़ आगमन पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय विज्ञान संस्थान देश ही नहीं, विश्व के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों में शामिल है। इसकी विशेषज्ञता, अनुसंधान क्षमताओं और शैक्षणिक अनुभवों का लाभ छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों, उद्योगों, स्वास्थ्य सेवाओं और विशेष रूप से युवाओं को मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी उत्कृष्टता और उच्च कौशलयुक्त मानव संसाधन की निर्णायक भूमिका होगी। छत्तीसगढ़ भी इसी राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार StarWalker MAQX Pro लेजर टेक्नोलॉजी की शुरुआत

■ डॉ. उज्ज्वला स्किन क्लिनिक, रायपुर में अब उपलब्ध होगी एडवांस्ड लेजर तकनीक



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में त्वचा उपचार के क्षेत्र में एक नई तकनीकी सुविधा की शुरुआत होने जा रही है। डॉ. उज्ज्वला स्किन क्लिनिक, रायपुर में अब विश्वस्तरीय StarWalker MAQX Pro लेजर सिस्टम उपलब्ध है। यह अत्याधुनिक तकनीक त्वचा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के उपचार के लिए विकसित की गई है। Fotona y Glow के साथ त्वचा की देखभाल में एक नया आयाम।

StarWalker MAQX Pro एक एडवांस्ड Q-Switched लेजर सिस्टम है, जिसमें चार अलग-अलग लेजर वेवलेंथ तथा 15 लेजर मोडैलिटी उपलब्ध हैं। इसकी खासियत है कि अलग-अलग वेवलेंथ त्वचा में मौजूद मेलानिन, हीमोग्लोबिन और अन्य टिश्यू टारगेट्स पर अलग-अलग तरीके से काम करने में सक्षम हैं।

इस मशीन में Fotona की विशेष ASP™? (Adaptive Structured Pulse) टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। यह तकनीक लेजर पल्स की संरचना को ट्रीटमेंट की आवश्यकता के अनुसार नियंत्रित करती है। इसकी Q-Switched तकनीक बहुत कम समय के लेजर पल्स के माध्यम से पिगमेंट पर फोटोमैकेनिकल प्रभाव उत्पन्न करती है, जिससे पिगमेंट छोटे कणों में टूटते हैं और शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया के जरिए धीरे-धीरे हटाए जा सकते हैं।

किन समस्याओं में उपयोगी है यह तकनीक?

StarWalker MAQX Pro का उपयोग डॉक्टर की सलाह और मरीज की त्वचा की स्थिति के अनुसार कई तरह के उपचारों में किया जा सकता है, जैसे: पिगमेंटेशन और मेलास्मा, झाइयां और सन स्पॉट्स, टैटू रिमूवल, एक्ने और एक्ने स्कार्स, त्वचा का टेक्सचर और रिजुवेनेशन, कुछ प्रकार की वैस्कुलर स्किन समस्याएं और चयनित मामलों में हेयर रिडक्शन।

बकावंड में 'बस्तर ओलंपिक 2026' का भव्य आगाज



■ प्रतिभाओं को तराशने में बस्तर ओलंपिक मील का पत्थर साबित होगा : जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप

जगदलपुर (विश्व परिवार)। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को सशक्त मंच प्रदान करने और युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकासखंड स्तरीय 'बस्तर ओलंपिक 2026' का विधिवत शुभारंभ मंगलवार को बकावंड में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप शामिल हुईं। समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने कहा कि बस्तर अंचल में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, बस्तर ओलंपिक केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सुदूर वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के होनहार युवाओं को अपनी क्षमता साबित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह आयोजन नई पीढ़ी को खेलों से जोड़ने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। श्रीमती कश्यप ने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। खेल से जुड़े युवा जीवन की हर चुनौती का सामना मजबूती से करने में सक्षम होते हैं। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण, खेल प्रशिक्षक तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यालय से फील्ड तक दिखे सक्रियता : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

■ उप मुख्यमंत्री ने 'निर्माण मंथन' में प्रदेशभर के अभियंताओं को किया संबोधित



रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव विभागीय अभियंताओं के लिए आयोजित 'निर्माण मंथन' में शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग की इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं और उप अभियंताओं को सड़क, पुल एवं भवन निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, सर्वेक्षण, प्राक्कलन, निविदा प्रक्रिया और सड़कों के रखरखाव से जुड़े तकनीकी विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के विशेषज्ञों और वरिष्ठ अभियंताओं के साथ लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं ने गुणवत्ता, तकनीक और नवाचार पर विचार-विमर्श किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रदेशभर के अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के शिल्पकार हैं। इस भूमिका और दायित्व का गंभीरता एवं सक्रियता से निर्वहन कर अधोसंरचना को मजबूत करना है। लोक निर्माण विभाग राज्य के विकास का 'ग्रोथ-इंजन' (Growth Engine) है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के बाद से पिछले 26 वर्षों में छत्तीसगढ़ में जो बड़ा परिवर्तन आया है, उसमें विभाग की बड़ी भूमिका है। लोक निर्माण विभाग ने राज्य के विकास का नेतृत्व किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद अब विकास कार्यों के लिए कोई प्रतिकूलता नहीं है। पूरे प्रदेश में इसके लिए अच्छा माहौल है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अभियंताओं से कहा कि आप लोग अपनी क्षमता, दक्षता और काबिलियत से राज्य के विकास में महती भूमिका निभाएं। बदलते समय के अनुसार नई तकनीकों और मशीनरी के साथ नई कार्य प्रद्धति अपनाएं। खुद को अपडेट और अपग्रेड करें। उन्होंने कहा कि विभाग के कार्यों से हम सबकी प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है।

महादेव एप का तार पीएमओ तक सीबीआई पीएमओ की जांच करेगी? : दीपक बैज

■ सौरभ चंद्राकर को तो लाया गया है लेकिन रवि उप्पल, शुभम सोनी को कब लाया जायेगा?



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि महादेव सट्टा एप मामले में एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को प्रत्यार्पित करके भारत फिर रायपुर लाया गया है। इस मामले में अभी तक सिर्फ सौरभ चंद्राकर को ही रायपुर लाया गया है। जबकि सौरभ के पार्टनर रवि उप्पल और शुभम सोनी अभी भी पकड़ से बाहर है, उन्हें कब पकड़ा जायेगा? शुभम सोनी ने विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान एक वीडियो में यह दावा किया था कि महादेव सट्टा एप का वह मालिक है तथा सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल उसके लिए काम करते है। शुभम सोनी के इस वीडियो को भारतीय जनता पार्टी ने अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करके जारी किया था। मतलब भाजपा भी शुभम सोनी के दावे से सहमत थी। शुभम सोनी के इसी दावे के आधार पर भाजपा ने कांग्रेस सरकार और हमारे तत्कालीन मुख्यमंत्री के ऊपर आरोप भी लगाया था। कांग्रेस का सवाल है शुभम सोनी को कब पकड़कर लाया जायेगा? उसके झूठे दावे के आधार पर पूरे विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस की तत्कालीन सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर राजनैतिक लाभ लिया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महादेव सट्टा एप के सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाया जाना संभव हो सका तो उसके पीछे कांग्रेस की भूपेश सरकार के ठोस प्रयास है। महादेव सट्टा एप के खिलाफ पहली एफ्आईआर से लेकर 72 एफ्आईआर तक दर्ज करने की ठोस कार्यवाहियां कांग्रेस की सरकार ने किया था। 500 से अधिक जप्तियां और गिरफ्तारियां भी कांग्रेस की सरकार ने ही किया था। सौरभ चंद्राकर को तो लाया गया है लेकिन रवि उप्पल, शुभम सोनी को कब लाया जायेगा? महादेव सट्टा एप को गूगल प्ले पर से कांग्रेस की भूपेश सरकार के अनुरोध पर ही हटाया गया था।

400 वार्डों और 17 अध्यक्ष पदों के चुनावों के लिए भाजपा तैयार

■ त्योहारों पर वार्डों में सतत जनसम्पर्क अभियान चलाएंगे कार्यकर्ता : मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संतोष पाण्डेय



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के 400 वार्डों तथा नगर पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम के 17 अध्यक्ष पदों पर होने वाले चुनावों को लेकर पार्टी ने अपनी जमीनी तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश कार्यालय में आगामी नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर सम्पन्न महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की जानकारी देते हुए श्री पाण्डेय ने बताया कि बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वरिष्ठ नेता रामजी भारती तथा संगठन के प्रदेश के तीनों महामंत्री प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि बैठक में ग्राउंड लेवल पर रणनीति को प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बूथ कमेटियों की बारीकी से समीक्षा और जाँच-परख कर आवश्यकतानुसार नई नियुक्तियाँ करने पर बल दिया गया है। इसके साथ ही शक्ति केन्द्रों को सुगठित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि आगामी दीपावली और छठ महापर्व के दौरान पार्टी कार्यकर्ता वार्डों में सतत सम्पर्क अभियान चलाएंगे और जनता के बीच उपस्थित रहेंगे। श्री पाण्डेय ने बताया कि प्रत्याशियों के चयन और चुनावी प्रबंधन के लिए तीन स्तरों- प्रदेश स्तर, सम्भाग स्तर और जिला स्तर, पर चयन समितियों के गठन एवं उनके दायित्वों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया है। भाजपा पूरी एकजुटता और मजबूत संगठन तंत्र के बल पर नगरीय निकाय चुनावों में ऐतिहासिक विजय दर्ज करेगी।

पाप का घड़ा फूटा तो सट्टे के 'अदृश्य आका' बेनकाब होने के डर से काँप रहे हैं : भाजपा



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने महादेव सट्टा एप के मुख्य सरगना की गिरफ्तारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेताओं द्वारा जाँच एजेंसियों पर उठाए जा रहे सवालों पर जोरदार पलटवार किया है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि अपनी सरकार के समय जिस काले कारोबार को फ्लने-फूलने का मौका दिया गया, आज जब कानून का शिकंजा कस रहा है तो कांग्रेस नेता जनता का ध्यान भटकाने और विक्टिम कार्ड खेलने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि भूपेश बघेल 72 एफ्आईआर दर्ज करने का दावा कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि यदि कार्रवाई हो रही थी तो सट्टे का सिंडिकेट लगातार बढ़ता कैसे गया? एफ्आईआर केवल जनता की आँखों में धूल झोंकने के लिए थी, जबकि पर्दे के पीछे से मुख्य आरोपियों को सुरक्षित रास्ता और अभयदान दिया जा रहा था। डॉ. मिश्रा ने बघेल से सवाल कर पूछा है कि सट्टे का असली मालिक कौन है? दुबई से लेकर रायपुर तक फैले इस सिंडिकेट के तार किसके संरक्षण में थे, यह जनता जानती है। मुख्य आरोपी की रिमाण्ड से जल्द ही सत्ता के गलियारों में बैठे असली चेहरे बेनकाब होंगे।

लोकतंत्र के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब, हजारों की पदयात्रा में गूंजा 'मोदी कहीं नहीं जाएगा' का नारा

■ अबूझमाड़ की धरती से लोकतंत्र का संदेश, नारायणपुर में हजारों कार्यकर्ताओं ने निकाली पदयात्रा



नारायणपुर (विश्व परिवार)। लोकतंत्र के प्रति जनविश्वास और संवैधानिक मूल्यों के समर्थन का संदेश लेकर बुधवार को नारायणपुर में भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई के नेतृत्व में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत विशाल जनसभा और पदयात्रा आयोजित की गई। साप्ताहिक बाजार स्थित डोम में आयोजित सभा के बाद हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक हाथों में भाजपा के झंडे तथा लोकतंत्र के संदेश वाली तख्तियां लेकर नगर के प्रमुख मार्गों पर निकले। पदयात्रा के दौरान डीजे की धुन पर 'मोदी कहीं नहीं जाएगा' गीत गूंजता रहा। पदयात्रा का समापन जिला भाजपा कार्यालय में हुआ।

अबूझमाड़ की पहचान शांति, सद्भाव और लोकतांत्रिक विश्वास

सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ और नारायणपुर की पहचान शांति, सद्भाव और आपसी विश्वास की रही है। यहां की जनता का लोकतंत्र के प्रति विश्वास अटूट है। अबूझमाड़ का विश्वास लोकतंत्र के साथ है और यही विश्वास हमारी सामाजिक एकता तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था का प्रतीक है। लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकार, सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आधार है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी में निहित है। राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

शोक संदेश

श्री रामावतार अग्रवाल



रायपुर। समता कॉलोनी निवासी श्री रामावतार अग्रवाल (बरगढ़ वाले), उम्र 82 वर्ष, का 4 नवंबर 2026 को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 5 नवंबर 2026 को उनके निवास स्थान 56, नगर निगम कॉलोनी, अग्रसेन चौक, समता कॉलोनी रायपुर से प्रात: 10:30 बजे मारवाड़ी श्मशान घाट के लिए प्रस्थान करेगी। वे आशीष अग्रवाल, अनीता के पिता तथा डॉ. नंदकिशोर, ओमप्रकाश, जगदीश, विजय, कैलाश, गोपाल, रमेश, किरन, मंजू के भाई थे।

मैट्स यूनिवर्सिटी ने मनाया 21वां स्थापना दिवस

■ विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हमारा लक्ष्य : गजराज पगारिया



रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन आयोग से ए प्लस ग्रेड प्राप्त मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर ने 3 नवंबर, 2826 मंगलवार एको अपना 21वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित कर्मठ प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया।

21वें स्थापना दिवस का आयोजन यहां पंडरी स्थित मैट्स टॉवर के इंपैक्ट सेंटर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया ने कहा कि मैट्स यूनिवर्सिटी सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं है बल्कि विश्वविद्यालय परिवार है जहां कार्यरत प्राध्यापकों से लेकर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी सभी मिलकर प्रदेश व देश में उच्च शिक्षा के विकास के लिए निरंतर परिश्रम करते हैं। उन्होंने कहा कि मैट्स विश्वविद्यालय वर्ष 2006 में छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित होने वाला प्रथम निजी विश्वविद्यालय है और वर्तमान में इसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन आयोग से ए प्लस ग्रेड प्राप्त है जो गौरव का विषय है। श्री पगारिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य है गुणवत्ता से परिपूर्ण विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना।

श्री पगारिया ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में अच्छा वातावरण है जो सभी के सहयोग से है। हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हम छत्तीसगढ़ में नम्बर वन हैं और इसका श्रेय विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों , प्राध्यापकों, कर्मचारियों को जाता है।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. के. पी. यादव ने कहा कि मैट्स विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में अग्रणी रहा है और सदैव अग्रणी रहेगा। हम सदैव समय के साथ चलते रहे हैं और आगे भी चलते रहेंगे, बल्कि समय से आगे चलना आवश्यक है। वर्तमान में हम ए प्लस ग्रेड प्राप्त हैं, भविष्य में हमें ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त होगा, हमें पूर्ण विश्वास है।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354